दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 110
मुरादाबाद
10 August 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

देशभर में रक्षाबंधन का उल्लास; भाइयों की कलाई पर बहनों ने बांधी राखी

PM मोदी ने ब्रह्माकुमारी दीदी और छोटी-छोटी बहनों से बंधवाई राखी

देशभर में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और बंधन का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। बदले में भाई अपनी बहनों के प्रति प्रेम और देखभाल के प्रतीक के रूप में उपहार देते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्यौहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश भी पोस्ट किया।प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान पीएम मोदी को ब्रह्माकुमारी दीदी ने राखी बांधी। इसके अलावा छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी। स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूली छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

अपने संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'X' पर लिखा, %रक्षा बंधन के विशेष अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।प्रधानमंत्री मोदी को बच्चियों के साथ हंसी ठिठोली करते देखा गया। वे उनके साथ बात करते, उन्हें दुलार करते नजर आए। पीएम मोदी ने उनके साथ दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। मासूम बच्चियों में पीएम मोदी को राखी बांधने की होड़ दिखाई दी। पीएम मोदी ने भी किसी को निराश नहीं किया और सभी से बहुत ही प्यार से राखी बंधवाई।

आज के दिन देशभर में राखी का त्योहार मनाया जा रहा है। इस बार रक्षाबंधन पर न तो भद्रा का साया बना हुआ और ना ही पंचक। शास्त्रों में भद्राकाल में राखी बांधना अच्छा नहीं माना जाता है। आज के दिन राहुकाल पर भी राखी नहीं बांधनी चाहिए। अब आज का राहुकाल का समय खत्म हो गया है, ऐसे में दोपहर 01 बजकर 24 मिनट तक राखी बांधने का शुभ मुहूर्त है। आज रक्षाबंधन पर ग्रहों का दुर्लभ संयोग बना हुआ है। आज के दिन न्याय के देवता शनि मीन और सूर्य कर्क राशि में रहेंगे। इसके अलावा मन के कारक चंद्रमा मकर में अपना स्थान लेंगे। वहीं ग्रहों के राजकुमार बुध कर्क व गुरु और शुक्र मिथुन में बने रहेंगे। यही नहीं छाया ग्रह राहु कुंभ और केतु सिंह में मौजूद होंगे। संयोग की बात यह है कि इस बार राखी पर भद्रा का साया भी नहीं रहेगा। रक्षाबंधन पर यह ऐसा संयोग कई वर्षों के बाद बन रहा है।

◆ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
◆ बीते दिन यानी शुक्रवार को लखनऊ में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राखी बांधती एक बच्ची।

संक्षिप्त समाचार

अदालत बोली- मीडिया पर प्रतिबंध का आदेश बेहद दुर्लभ केस में ही दें; कार्ति चिदंबरम से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक धर्मस्थल के मामले में ट्रायल कोर्ट के दिए गए आदेश पर दोबारा विचार करने को कहा है। जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने यह संकेत दिया है कि मामले में मीडिया रिपोर्टिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए या नही, इसमें अदालत को संदेह है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को पूरे मामले की नए सिरे से सुनवाई कर निष्पक्ष फैसला देने को कहा है। पीठ ने कहा कि मीडिया कवरेज प्रतिबंध के आदेश अत्यंत दुर्लभ मामलों में ही पारित किए जाते हैं। साथ ही याचिकाकर्ता को सभी सामग्री ट्रायल कोर्ट के समक्ष पेश करने को भी कहा। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने मीडिया कवरेज पर रोक लगा दिया था। साथ ही 390 मीडिया संस्थानों को धर्मस्थल कब्रस्तान मामले से जुड़े लगभग 9000 लिंक और खबरें हटाने का निर्देश दिया था। इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के सलाह के बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। धर्मस्थल मंदिर निकाय के सचिव हर्षेन्द्र कुमार डी ने बंगलूरू के अतिरिक्त सिटी सिविल और सत्र सत्र अदालत में मुकदमा दायर किया था, जिसमें 4140 यूट्यूब वीडियो, 932 फेसबुक पोस्ट, 3540 इंस्टाग्राम पोस्ट, 108 समाचार लेख 37 रेडिट पोस्ट 41 ट्वीट सहित 8842 लिंक को ब्लॉक करने की मांग की थी। उन्होंने याचिका में आरोप लगाया था कि मीडिया की ओर से दी जा रही

सीएम योगी ने संस्कृत भाषा में दिया वीडियो बयान... सभी प्रदेशवासियों को संस्कृत सप्ताह की दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को संस्कृत भाषा सप्ताह के शुभारंभ की शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान उन्होंने संस्कृत भाषा के संरक्षण, प्रसार और दैनिक जीवन में प्रयोग हेतु संकल्प लेने का आह्वान किया है।यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को संस्कृत दिवस पर संस्कृत भाषा सप्ताह शुरू होने की शुभकामनाएं दी हैं।

इस मौके पर उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी किया जिसमें वह संस्कृत में संदेश देते नजर आ रहे हैं।वीडियो में उन्होंने कहा कि यूपी के सभी निवासियों को संस्कृत भाषा सप्ताह की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। संस्कृत भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय संस्कृति का मूल है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए संस्कृत भाषा का अध्ययन अति आवश्यक है। इस सप्ताह हम संस्कृत के महत्व का स्मरण करेंगे। संस्कृत साहित्य के अमृत का पान करेंगे। विद्यालयों और घरों में संस्कृत भाषा का प्रचार किया जाएगा। संस्कृत भाषा के विकास के लिए राज्य सरकार हमेशा ही तत्पर है। इस सप्ताह सिर्फ उत्सव ही नहीं होगा बल्कि संस्कृत के विकास के लिए कार्य किए जाएंगे। एक बार फिर से प्रदेश के सभी निवासियों को संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाएं।इसके पहले उन्होंने एक्स पर कहा कि देववाणी संस्कृत भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति, ऋषियों की वाणी का स्पंदन और सनातन ज्ञान का अनंत स्रोत है। यह भाषा हमारी परम्परा, प्रज्ञा और वैश्विक बौद्धिकता की आधारभूमि है। आइए, विश्व संस्कृत दिवस पर इस अमृत वाणी के संरक्षण, प्रसार और दैनिक जीवन में प्रयोग हेतु संकल्पित हों।

आप सांसद संजय सिंह ने स्कूली बच्चों से बंधवाई राखी, बोले-एक हफ्ते में नहीं खुला स्कूल तो देंगे धरना

सुल्तानपुर में आप सांसद संजय सिंह ने स्कूली बच्चों से राखी बंधवाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एक हफ्ते में विलय किया गया स्कूल नहीं खुला तो वह धरने पर बैठेंगे। यूपी सरकार पर बच्चों को अनपढ़ बनाने का आरोप लगाया। यूपी के सुल्तानपुर में जयसिंहपुर के सराय नौरंग प्राथमिक विद्यालय में शनिवार को आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्कूली बच्चों के साथ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने%हमारा स्कूल वापस दो... बच्चों का स्कूल वापस दो%के नारे लगाए। रक्षाबंधन पर बच्चों ने सांसद को राखी बांधी। उनसे विद्यालय पुन: शुरू करवाने में मदद मांगी।बच्चों की मांग पर सांसद ने आश्वासन दिया कि यदि एक हफ्ते के भीतर स्कूल शुरू नहीं हुआ तो वह धरने पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम कानून के अनुसार किसी भी बच्चे का सरकारी स्कूल एक किमी से अधिक दूर नहीं होना चाहिए। लेकिन, सराय नौरंग के बच्चों को एक किमी दूर और हाईवे पार करके पढ़ने जाना पड़ रहा है। योगी सरकार शिक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। सरकार आने वाली पीढ़ी को अनपढ़ रखना चाहती है।संजय सिंह ने आगे कहा कि चुनाव में धांधली हुई है। कई केंद्रीय मंत्रियों के घर 30-35 वोट दर्ज थे। छोटे फ्लैट्स में 22-25 वोट बनाए गए थे। बुरारी निवासी व्यक्ति का वोट केंद्रीय मंत्री के घर बना था। दिल्ली चुनाव में इसका खुलासा भी किया गया था। उन्होंने दावा किया कि एक ही मतदाता कई राज्यों में वोट डाल रहा है। इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है। अयोध्या में 150 करोड़ की लागत से बने ओवरब्रिज की सड़क धंसने पर सांसद ने सरकार को घेरा। कहा कि सरकार प्रभु श्रीराम के नाम पर जनता को लूट रही है।

प्रदेश में बाढ़ से हाहाकार...लगता है पूरी सरकार मठ में विश्राम करने चली गई, यूपी सरकार पर अखिलेश का हमला

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। लोग परेशान हैं लेकिन सरकार का प्रबंधन नजर नहीं आ रहा है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में बाढ़ से हाहाकार मचा है और 22 जिलों में हालत बहुत खराब हैं। गंगा, यमुना, राप्ती, सरयू, घाघरा नदियां उफनाई हुई हैं। बाढ़ की चपेट में तमाम लोग अपनी जान भी गंवा बैठे हैं। मुख्य मार्गों से कटे इलाकों में लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं। पशुओं की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। आरोप लगाया कि सरकार का कहीं कोई प्रबंध नहीं नजर आता है।अखिलेश ने जारी एक बयान में कहा कि उरई में सड़कें पानी से लबालब भरी हुई हैं। पहली मंजिल तक पानी भरने से तमाम लोग बेघर हो गए हैं। प्रयागराज में 80 हजार प्रतियोगी छात्र लाज-कमरे छोड़कर चले गए हैं। 400 से अधिक लाइब्रेरियां बंद हो गई हैं। बाढ़ का पानी घरों के अन्दर बह रहा हैराजधानी लखनऊ में भी भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त है। खेतों में बाजरा, दलहन की फसलों को नुकसान होने से किसान चिंता में हैं। जगह-जगह गड्ढों से वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं और भीषण जाम लग रहा है। एयरपोर्ट से बनी तक सड़क सबसे ज्यादा खराब है। सरकार सड़कों के गड्ढे भरने के लिए बड़ी राशि खर्च करने का दावा कर चुकी है, लेकिन काम होने के बजाय बजट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि बाढ़ पीड़ितों को भोजन, पानी, दवा की व्यवस्था करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन लगता है कि पूरी सरकार मठ में विश्राम करने चली गई है।

संपादकीय Editorial

Cold War between Russia and America

In view of America's anti-Russia attitude, there are chances of a cold war. On 8 December 1987, a treaty was signed between Russia and America that both the countries will destroy missiles with a range of 500 km to 5000 km. Russia has cancelled that 38-year-old treaty. The main reason for the 50 percent tariff imposed by US President Trump on India is Russia itself. The US President has strong objections to India's trade of oil and arms with Russia. Russia has not only condemned the increase in tariff but has also broken the 38-year-old treaty with America. As a result, the fears of nuclear war have increased. Anyway, all NATO countries are on Russia's radar. Russia can attack them anytime. Russia also has ballistic missiles with a range of 16,000 km. America is within their range. President Trump should reflect on former President Reagan's statement. He had said that trade and tariffs are not for revenge. Other countries can also impose high tariffs in retaliation. Jobs can be lost in other countries and chaos can spread in America due to inflation. In fact, the thinking under which President Trump is imposing tariffs on imports of countries cannot make America great again overnight. Factories and industries cannot be opened. America cannot become a stronghold of manufacturing in no time. Take the example of bananas. America imported bananas worth Rs 28,000 crore in 2024. Most of it was imported from India. America is dependent on other countries including India for fruits, vegetables, auto parts, medicines, electronics, semiconductor chips, smart phones etc. On which countries will tariffs be imposed? Why has China been given a 90-day exemption, while America considers it the biggest enemy country? Only 10 percent of the people in America work or work in agriculture. A total of 2.21 crore Americans are said to be associated with agriculture. The US administration has had to give subsidies worth Rs 3.65 lakh crore to farmers in 2025 itself. The US wants to cover this loss, so it is constantly forcing India to open up the fields of agriculture and dairy industry for the US. India is adamant on not giving permission. This is the main dispute between India and the US on tariff and trade agreement. Now President Trump has given a statement that until the tariff dispute is not resolved, there will be no talks on the trade agreement. Has the trade agreement also gone sour? Anyway, Russia has deployed its ballistic missiles against NATO countries and the US has also put nuclear submarines into the sea. If another war breaks out, the major countries of the world will also be targeted. Can another world war break out? If a war breaks out, the supply line across the world can get disrupted. It is natural for India to suffer losses due to tariffs, but the war will also affect it. By the way, President Trump and President Putin may meet in the United Arab Emirates next week. This has been announced by the Kremlin of Russia. It is hoped that some way will be found to end the Russia-Ukraine war. However, India is an economy based on domestic consumption, so we will have to increase domestic consumption. Emphasis will have to be laid on Swadeshi. A policy will have to be made to promote manufacturing. This will reduce our costs. Only then will we be able to compete with countries like Taiwan and Vietnam. Subsidy will have to be considered for export-based industries, so that costs can be reduced. These suggestions are from experts related to business and economy. Another idea has come up that Russia, India, China, all three countries should come on the same platform and form an organization. This will be different from BRICS. Can all three countries come on the same camp?

AI brings a wave of change, opportunities and challenges for India

The common perception about AI is that it will take away jobs, but the truth is that it is also creating new jobs. Although soon repetitive and routine tasks will be done automatically by AI, many new professions have also emerged due to this - such as AI trainer, machine learning developer, data annotator, AI ethicist, prompt engineer etc. Artificial Intelligence-AI has become an integral part of our lives. It is rapidly changing the way we live, work, learn and think. From the voice assistant in our smartphones to the decisions of companies, AI is present everywhere. As India is moving towards becoming an AI-driven economy, it has become necessary that we understand machine skills i.e. AI. Today, the power of AI is bringing changes in every sector from agriculture to health, education to finance. Farmers in India are now monitoring crops and managing irrigation through AI-based sensors and drones, which has increased production and reduced wastage of resources. In the healthcare sector, AI is now able to diagnose diseases like cancer and diabetes faster and more accurately than ever before. Indian startups are increasing access to healthcare in remote areas by interpreting X-rays and MRIs with the help of AI. Finance, retail, transportation, manufacturing - every sector is witnessing a wave of AI-based transformation. According to NASSCOM, if AI is adopted strategically, it can contribute $500 billion to India's GDP by 2025. The common perception about AI is that it will take away jobs, but the truth is that it is also creating new jobs. Although repetitive and routine tasks will soon be done automatically by AI, many new professions have also emerged due to this - such as AI trainer, machine learning developer, data annotator, AI ethicist, prompt engineer, etc. India's young, technically skilled population is in a perfect position to adopt it. The government-initiated 'India AI' programme and partnerships with academia and industry are helping to build the country's AI capacity. Courses related to data science, machine learning and AI ethics are growing rapidly across the country. Cities like Bengaluru, Hyderabad and Pune are emerging as AI hubs, but we should not look at it with optimism. AI will eliminate many existing jobs – especially in BPOs, customer service, basic coding and manufacturing. According to McKinsey, 800 million jobs worldwide could be automated by 2030. This could pose a serious crisis for India, where a large number of people are in informal and low-skilled jobs. Very few people still have the skills needed in the AI era. If investments are not made immediately in digital literacy and vocational AI training, India could be left behind. The government, industry and academia must work together to redefine the education system. The future belongs to those who know how to learn, unlearn and relearn. AI systems are based on data and unfortunately that data also includes existing discriminations and prejudices in society. Face recognition systems often misidentify certain racial groups. Algorithms that discriminate in loan approvals or job selection are no longer a fantasy, but a reality. In a country like India, where caste, class and gender-based inequalities already exist, AI can further increase them if not properly controlled. The adoption of facial recognition technology in airports and public events has increased the risk of surveillance of the general public. If AI is misused, it can endanger civil liberties and democracy. The US and China are investing billions of dollars in AI research. India has to choose its own path, which is ethical, inclusive, affordable and solves ground level problems. Indian startups and researchers have an opportunity to create 'AI for India', which can work in low-resource areas, understand Indian languages and respect our cultural diversity. AI can become India's strength in open-source models, translation tools, agriculture or telemedicine. This will require sustained investment, clear policy and global cooperation. India has enacted the Digital Personal Data Protection Act and issued some guidelines on AI, but we need a comprehensive and coherent AI regulatory framework. It should include transparency, human oversight, accountability and a proper appeal system. The rules should not be so strict that innovation is stifled. We have to strike a balance that makes India a leader in AI while also ensuring the safety of citizens. India has an opportunity to transform from an outsourcing economy to a knowledge superpower by adopting AI. If we adopt it correctly, AI can become India's partner in the direction of digital democracy, inclusive growth and sustainable future. The future will not be of AI versus humans, but of humans with AI. Artificial Intelligence - AI has become an integral part of our lives. It is rapidly changing the way we live, work, learn and think. From voice assistants in our smartphones to decisions taken by companies, AI is present everywhere. As India moves towards becoming an AI-driven economy, it is imperative that we understand machine learning. Today, the power of AI is spreading across industries ranging from agriculture to self-employment. AI is transforming every sector, from health to education to finance. Farmers in India are now monitoring crops and managing irrigation through AI-based sensors and drones, which has increased production and reduced wastage of resources. In the health sector, AI is now able to diagnose diseases like cancer and diabetes faster and more accurately than ever before. Indian startups are increasing access to healthcare by interpreting X-rays and MRIs with the help of AI in remote areas. Finance, retail, transportation, manufacturing - every sector is witnessing a wave of AI-based change. According to NASSCOM, if AI is adopted strategically, it can contribute $500 billion to India's GDP by 2025.

Bangladesh is a dangerous neighbor, growing closeness with China-Pakistan is a challenge for India

The Yunus government lifted the ban on Jamaat-e-Islami and its student organization Islami Chhatra Shivir and the Awami League was banned. Thousands of jihadis imprisoned in jail were released. Flags of 'Islamic State' began to fly in many cities. All charges against Mufti Jasimuddin Rahmani, the head of Ansarullah associated with Al Qaeda, were withdrawn. About a year ago today, on August 5, 2024, the then Prime Minister Sheikh Hasina was overthrown in Bangladesh. Sheikh Hasina fled to India in the storm of student movement and with the influence of America, an interim government was formed in Bangladesh under the leadership of Mohammad Yunus. Islamic organizations like Jamaat-e-Islami, Bangladesh Nationalist Party, Hizbut Tahrir, Hefazat-e-Islam also had a hand in the forced change of power. The Yunus government lifted the ban on Jamaat-e-Islami and its student organization Islami Chhatra Shivir and the Awami League was banned. Thousands of jailed jihadis were released. Flags of 'Islamic State' began to flutter in many cities. All charges against Mufti Jasimuddin Rahmani, the head of Ansarullah linked to Al Qaeda, were withdrawn. In a viral video, Rahmani appealed to West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee to free Bengal from Modi's rule and declare her independence. A radical leader Syed Mohammad Karim demanded the implementation of Sharia in Bangladesh and said that there should be a Taliban-like rule in the country. When Mohammad Yunus went to America to attend the United Nations General Assembly on September 26, 2024, the Clinton Global Initiative organized a ceremony in his honor. In this, Bill Clinton openly praised Hizbut Tahrir leader Mahfuz Alam for running the movement in Bangladesh. Hizbut is a radical Islamic organization, which wants the empire of Caliphate all over the world. This organization is banned in England, America and many other countries. The biggest ill-effects of the change of power in Bangladesh are being faced by the minorities, especially Hindus. Incidents of murder, kidnapping, rape and demolition of temples are common. According to the Bangladesh Hindu Buddhist Christian Unity Council, 2,442 violent incidents took place against minorities between August 2024 and June 2025. The Yunus government has the full support of the Democratic Party of America and its prominent leaders Barack Obama, Bill and Hillary Clinton etc. Due to this, organizations like Amnesty International and Human Rights Watch did not take cognizance of the incidents of atrocities on minorities and did not publish any report. The few journalists who raised their voice on these incidents were arrested and fake cases were filed against them. According to Rights and Risk Analysis, 878 journalists have been targeted so far. A new anti-terrorism law has been made in Bangladesh, under which the activities of Awami League will be banned. A security ordinance has also been passed in Bangladesh. The government is using it to suppress the voices raised against it. Since Yunus was awarded the Nobel Prize as a capable economist, people had high hopes that Bangladesh would make economic progress under his leadership, but its economic condition is deteriorating. Inflation, which was 9.92 percent in September 2024, has increased to 10.87 percent. According to the World Bank, Bangladesh's economy will barely grow at a rate of four percent in 2025. Foreign investments are falling. The textile industry, which was the basis of the country's economy, is in crisis. 69 factories have closed down and 76,500 workers have become unemployed. During Sheikh Hasina's tenure, relations between Bangladesh and India continued to improve. Members of anti-India organizations from India's north-eastern states used to get shelter in Bangladesh earlier and they used to carry out violent activities in Assam, Nagaland, Manipur etc. Sheikh Hasina stopped all this, but now the distance between the government led by Mohammad Yunus and India is gradually increasing. The main reason for this is the Yunus government's alliance with the fundamentalists. Some time ago, a meeting was also held between China, Bangladesh and Pakistan, the purpose of which was to isolate India. Mohammad Yunus has invited China to spread its economic network in Bangladesh. He said that the seven north-eastern states of India have no access to the sea. In such a situation, China will get a good market in Bangladesh. There have been internal differences in Bangladesh regarding the elections. Since Mohammad Yunus is enjoying power, he does not want to hold elections before April 2026. Army Chief General Waqar has said that elections should be held by December 2025. Even after this, uncertainty remains. India will have to see the attitude of the government that is formed after the elections there. If the new government of Bangladesh remains anti-India, then we will have to take some tough steps. There are at least two crore Bangladeshi infiltrators in India. We will have to say that Bangladesh should either take them back or transfer the necessary land to us for their settlement. We should demand this land in Rangpur division and if Bangladesh does not give it, then steps should be taken to acquire it forcefully. If we succeed in this, the problem of 'Chicken Neck' in the Siliguri corridor will be solved. If Trump visits Greenland, then the problem will be solved.

भाई-बहन के पर्व रक्षाबंधन पर ट्रेनों और बसों में उमड़ा भीड़ का सैलाब

जिले भर में भाई बहन के अटूट स्नेह का पर्व रक्षाबंधन जिले में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र के लिए कामना की। शनिवार को भाई बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन मनाया गया। सुबह से ही भाई अपनी बहनों का आने का इंतजार करते रहे। बहनों ने भाइयों के घर पहुंचकर उनके माथे पर टीका करके उनके हाथ में राखी बांधी। हर तरफ रक्षाबंधन का उत्साह दिखाई दिया। बसों से लेकर ट्रेनों में बहनों की भीड़ दिखाई दी। सुबह से बहनों का भाइयों के घर पर पहुंचना शुरू हो गया। देर शम तक यह सिलसिला चलता रहा। मंदिरों में भी जाकर बहनों ने पूजा अर्चना की। बसों में भीड़ अधिक होने के कारण बहने खड़े होकर बसों में सफर करती रही।

भाई की कलाई न रहे सूनी...घुटने भर पानी पार कर पहुंची बहनें

मुरादाबाद- रक्षाबंधन के पर्व पर भाई की कलाई सूनी न रह जाए। इसके लिए बहनों ने मौसम और मुश्किल रास्तों की परवाह नहीं की। खादर के क्षेत्रों में लगातार एक सप्ताह से हो रही बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया है। कई जगह तो घुटनों तक पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही। जैतपुर बिसाहट, दौलारी, मनकरा, सुल्तानपुर, भीतखेड़ा, जैतवाड़ा, मोहनपुर, भोजपुर, मिलक और इमलाक समेत कई गांवों में बहनों ने राखी बांधने के लिए पानी भरे रास्तों को पार किया। कोई मोटरसाइकिल के साथ बैलगाड़ी में बैठकर पहुंचा तो कोई पैदल ही पानी लांघता हुआ अपने भाई तक पहुंचा। त्योहार की मिठास और भाई-बहन के रिश्ते की डोर ने बारिश और पानी की रुकावट को भी पीछे छोड़ दिया।

जिले में 900 से अधिक विद्यालय जर्जर...256 खंडहर घोषित

मुरादाबाद- जिले में बेसिक शिक्षा परिषद के बड़ी संख्या में विद्यालय जर्जर हाल में हैं। अन्य भवन भी खस्ताहाल हैं। इसका खुलासा शनिवार को विकास भवन सभागार में सीडीओ की अध्यक्षता में हुई समीक्षा में हुआ। बीएसए, पंचायती राज विभाग की डीपीआरओ, बीईओ और एडीओ पंचायत मौजूद रहे। बीएसए ने बैठक में बताया कि जिले के 900 से अधिक विद्यालयों की स्थिति जर्जर है। इनमें से 256 विद्यालय इतने खराब हाल में हैं कि उन्हें खंडहर घोषित कर दिया गया है। इन खंडहर विद्यालयों में से 56 विद्यालयों के मलबे की नीलामी हो चुकी है, जबकि शेष 200 विद्यालयों में मलबे की नीलामी की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। नीलामी के बाद इन विद्यालयों का पुनर्निर्माण पंचायती राज विभाग द्वारा कराया जाएगा। 500 विद्यालयों की मरम्मत जल्द कराने की बात पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी बताया गया कि 500 विद्यालयों में केवल मरम्मत कार्य की आवश्यकता है, जिसके लिए मुख्य विकास अधिकारी ने पंचायती राज विभाग को तुरंत काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ कहा कि सभी मरम्मत कार्य एक महीने के भीतर पूरे किए जाएं। सीडीओ ने डीपीआरओ को निर्देश दिया कि सभी खंडहर विद्यालयों और मरम्मत योग्य विद्यालयों की सूची के आधार पर कार्ययोजना तैयार कर तुरंत क्रियान्वयन शुरू करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तभी संभव है, जब बच्चों को सुरक्षित और स्वच्छ भवन उपलब्ध हों। इसलिए सभी निर्माण और मरम्मत कार्य एक महीने के अंदर और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। बैठक के मुख्य बिंदु कुल जर्जर विद्यालय- 900 से अधिक खंडहर घोषित विद्यालय- 256 मलबे की नीलामी पूर्ण- 56 विद्यालय शेष नीलामी प्रस्तावित- 200 विद्यालय मरम्मत योग्य विद्यालय- 500

रामगंगा खतरे के निशान के पार, 75 गांवों में पहुंचा बाढ़ का पानी

रामगंगा नदी का जलस्तर शुक्रवार को खतरे के निशान से पार होने से नदी के तटीय इलाकों में पानी भरने से अफरा तफरी मच गई। नदी के किनारे बसे 75 गांवों में से कई का संपर्क टूट गया। वहीं महानगर में रामगंगा नदी के किनारे के मोहल्ले आशियाना, लालबाग, नवाबपुरा, वारसी नगर आदि में पानी भरने से प्रशासन अलर्ट हो गया। डीएम के निर्देश पर उप जिलाधिकारी सदर ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच कर स्थिति को संभालना शुरू किया। काफियाबाद और काशीपुर जाने वाले राज्य मार्ग पर पानी से सड़कों बंद हो गया। लोग बैलगाड़ी, ट्रैक्टर, मोटर साइकिल फीका नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है।प्रशासन ने निपटने इंतजाम किया है। बाढ़ खंड के अधिकारी लगातार सुबह लोगों ने जब आंख खोली तो रामगंगा नदी के मस्जिद तक बाढ़ का पानी सड़कों पर दिखाई दे रहा नदी के किनारे बसी बस्ती में बाढ़ का पानी लोगों के बाहर देखा बाढ़ का लोगों की दहलीज तक बाढ़ का का कटघर रेलवे पुल के नीचे नगे गैस साइट (पैमाने) जलस्तर खतरे के निशान से 42 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच है। जलस्तर सुबह 8 बजे तक 191.02 मीटर तक अधिशासी अभियंता राजेश सिंह के अनुसार कटघर नदी में सुबह से शाम तक 20 मीटर बढ़ा है। शाम को इस कारण कई गांवों की हजारों बीघा खेती जलमग्न हो गई। कई का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। निरंतर जल स्तर बढ़ रहा है। कुछ जगहों पर प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंच पाए हैं। हालांकि डीएम अनुज सिंह ने एसडीएम सदर डॉ. राम मोहन मीना पहले सील गुप्ता आई केयर सेंटर की ओर बढ़ते जलस्तर देखा। इसके बाद वह बंगला गांव नट बाबा मंदिर के पास पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों में तहसीलदार और संबंधित एसडीएम से पशुओं के चारा लाने पर पाबंदी लगाने के निर्देश दिए हैं। वहीं ताजपुर में बाढ़ के पानी अधिक होने के कारण डीएम कटघर पुल बंद करा दिया है। ताजपुर में सैकड़ों मकान पानी में घिर गए। जामा मस्जिद पुल के नीचे रामगंगा के दोनों छोर पर बसे लोग पानी बढ़ने से दहशत में आ गए। लोगों को रात में पानी बढ़ने का डर सता रहा है। ठाकुरद्वारा काशीपुर मार्ग पर रोके वाहन- मुरादाबाद-उत्तराखंड बाईपास पर रामगंगा नदी का पानी आने से मुरादाबाद से नैनीताल जाने वाले बाईपास पर गुरुवार की शाम 2 से 3 फिट बाढ़ का पानी बहने लगा। सिविल लाइन पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों को रोकना शुरू कर दिया। लोगों ने ट्रैक्टर और बैल गाड़ियों का सहारा लिया। कल शाम से मुख्यालय से संपर्क टूटने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।लोगों में नाराजगी- लालबाग काली मंदिर के पास बस्ती में उस समय अफरा-तफरी मच गई। बढ़ते पानी के बीच अब तक प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचा है, जिससे लोगों में नाराजगी और चिंता दोनों देखी जा रही हैं। हालात बिगड़ने के डर से कई परिवार अपने बच्चों और बुजुर्गों को पहले ही रिश्तेदारों के यहां भेज चुके हैं। यह क्षेत्र है प्रभावित काफियाबाद, सलेमपुर, बंगला गांव, नवाबपुरा, दसवां घाट, लालबाग, वारसी नगर, ठाकुरद्वारा, सुरजन नगर गागन का बढ़ा जलस्तर, पाकबड़ा के कई क्षेत्र प्रभावित पाकबड़ा क्षेत्र में गागन नदी का जलस्तर बढ़ने से पाकबड़ा के आसपास के दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। शुक्रवार को नया मुरादाबाद में हर्बल पार्क के पीछे से होकर करीब दर्जन भर गांव बाढ़ के पानी प्रभावित हो गए। लोगों को 2010 में नदियों के तांडव का मंजर याद आ गया। पाकबड़ा में हर्बल पार्क के पीछे आने वाले लकड़ी के पुल पर पानी आने उस पार आने वालों को संपर्क कटने की चिंता है। इस क्षेत्र में मलगद्दा, चौधरपुर, ज्ञानपुर, उत्तमपुर बहलोलपुर, डिडोरा, डिडोरी, सिकंदरपुर, शाहालमपुर, रसूलपुर सुनवाती आदि गांव में आवागमन प्रभावित हो गया है।

खाद की कालाबाजारी करने वाले दुकानदार दंपति पर FIR दर्ज

कैला थाना में किसानों को ज्यादा दाम पर यूरिया बेचने के मामले में अपर जिला कृषि अधिकारी खाद विक्रेता दंपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि जो यूरिया की कालाबाजारी करेगा उसे गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।कैला देवी में सोमवार को यूरिया की कालाबाजारी को लेकर हंगामा हुआ था। किसानों ने खाद विक्रेता पर ज्यादा दाम में यूरिया बेचने और साथ में जबरन कीटनाशक व अन्य कृषि उत्पाद देने का आरोप लगाकर मुख्य नायब तहसीलदार अरविंद कुमार व कृषि विभाग के अधिकारियों ने बाद दुकान को सील कर दिया था। अब अपर जिला कृषि अधिकारी देवी और फर्म के संचालक हर्षित रस्तोगी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई को किसानों के लिए एक बैग यूरिया खाद 300 रुपये में दिए जाने के अरविंद कुमार के साथ मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की गई तो बताया कि अपर जिला कृषि अधिकारी की तहरीर पर उर्वरक नियंत्रण और फर्म के संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। तीन उर्वरक यूरिया वितरण प्रणाली को लेकर खास नजर रखी जा रही है। जिसको अधिक खाद दिया गया था। जिसको लेकर कृषि विभाग ने तीन केंद्रों द्वारा तमाम कोशिश में की जा रही है कि किसानों को खाद उनको मानक के अनुसार मिल सके लेकिन इस पर लगाम नहीं लग पा रही है। जिलों में टॉप 20 यूरिया बायर की प्रत्येक माह की सूची उपलब्ध कराई जाती है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जिसमें एक किसान द्वारा एक माह में 40 बैग यूरिया या उससे अधिक यूरिया लेने पर उस किसान का नाम टॉप 20 यूरिया बायर की लिस्ट में शामिल हो जाता है। जनपद में जुलाई माह में टॉप 20 यूरिया बायर की सूची में 3 किसान आए हैं। जिसमें कुमारपाल ने केजीएस एग्रीजंक्शन केंद्र से 45 बैग उर्वरक लिया। अखलेश कुमारी ने किसान सेवा केंद्र से 45 बैग यूरिया और मिंजर हुसैन ने अशर्फी खाद स्टोर से 41बैग यूरिया क्रय किया। उक्त फर्मों के उर्वरक प्राधिकार पत्र निरस्त कर दिए गए हैं। जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार ने बताया कि शासन से ही इस पूरे मामले में नजर रखी जा रही है तीन केंद्र इस बार सूची की नजर में आए जिनके लाइसेंस निरस्त कर दिये गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

घरेलू कलह से परेशान बुजुर्ग महिला नदी में कूदी...घंटों तलाश के बाद नहीं मिला सुराग

क्षेत्र के गांव ढाक वाला मंझरा सहसपुरी में घरेलू कलह से परेशान होकर एक वृद्धा ने लपकना नदी में छलांग लगा दी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।जानकारी के अनुसार सरोज(65) पत्नी जयपाल लंबे समय से पारिवारिक तनाव से जूझ रही थीं। शुक्रवार सुबह उन्होंने लपकना नदी में छलांग लगा दी। डिलारी पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने करीब दस गोताखोरों को बुलाकर नदी में तलाश अभियान चलवाया, लेकिन करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया। घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ नदी किनारे जमा हो गई। परिजनों ने बताया कि सरोज मानसिक रूप से काफी दिनों से परेशान थीं। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि परिवार में विवाद की बात सामने आ रही है। महिला ने खुद नदी में कूदकर आत्महत्या की है। फिलहाल गोताखोरों की मदद से नदी में सर्च ऑपरेशन जारी है।

मुरादाबाद में रामगंगा नदी खतरे के निशान से 42 सेंटीमीटर अधिक

मुरादाबाद- उत्तराखंड के पहाड़ों व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तीन दिन हुई लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। मुरादाबाद में शुक्रवार को रामगंगा नदी का जलस्तर कटघर रेलवे पुल पर खतरे के निशान खतरे का निशान 190.60 मीटर को पार कर शाम को 191.02 मीटर पर रिकॉर्ड किया गया। हालांकि दिन में जलस्तर 191.22 मीटर पर पहुंच गया था। लेकिन शाम को इसमें कमी दर्ज की गई। जिले में बाढ़ से प्रभावित 75 गांवों में रामगंगा नदी का पानी पहुंच गया है। यही नहीं महानगर के नदी के तटीय मोहल्लों आशियाना, नवाबपुरा, लालबाग, बरवलान, वारसी नगर व जामा मस्जिद पुल पर भी नदी का पानी भर गया। ताजपुर माफी में हाईवे पर पानी भरने से जामा मस्जिद पुल से होकर आवागमन रोक दिया गया। जलस्तर बढ़ने पर जिलाधिकारी अनुज सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों को मोर्चे पर लगाया। सदर तहसील के उप जिलाधिकारी डॉ. राममोहन मीना ने टीम के साथ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच कर रेस्क्यू कार्य में जुट गए। सुबह नदी का जलस्तर बढ़ने पर लोगों में अफरा तफरी मच गई थी। जिसके बाद अधिकारियों ने वहां पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। निचले इलाके के लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा गया। रामगंगा नदी का जलस्तर कटघर रेलवे पुल पर शाम को कम होकर 191.02 मीटर आने से प्रशासन को बचाव कार्य में सहूलियत मिली। वहीं रामगंगा नदी कालागढ़ में जलसतर 347.800 मीटर रहा। जबकि खतरे का स्तर 365.300 मीटर है। डिस्चार्ज शून्य रहा। गागन नदी का मुरादाबाद में भी जलस्तर बढ़ते क्रम में 189.80 मीटर रिकॉर्ड किया गया। इसका खतरे का निशान 192.28 मीटर है। जिलाधिकारी ने लोगों से धैर्य रखने की अपील की है। कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। नदियों के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। बाढ़ चौकियां सक्रिय हैं। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए इंतजाम किए गए हैं।

छूट का लाभ चाहिए तो इनकम टैक्स रिटर्न में दें पूरी डिटेल

डिस्ट्रिक्ट इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की सभा शुक्रवार को आयकर भवन में हुई। इसकी अध्यक्षता अरविंद कुमार सिंघल और संचालन अतुल सक्सेना ने किया।सभा में पिछली मीटिंग की रिपोर्ट पढ़ी गई जिसका सभी सदस्यों द्वारा समर्थन किया। अंकित गुप्ता एडवोकेट ने इनकम टैक्स के रिटर्न फार्म के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कौन सा फॉर्म किस इनकम पर लागू होगा। उन्होंने बताया कि इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म में बहुत सारे बदलाव किए गए हैं अगर कोई व्यक्ति किसी छूट का लाभ लेना चाहता है तो उसे उसकी पूरी डिटेल इनकम टैक्स रिटर्न में देनी होगी। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2024 25 में इनकम टैक्स रिटर्न में जो भी बदलाव हुए हैं उन सब की जानकारी उनके द्वारा दी गई।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

श्रावण मास की पवित्र बेला में श्री हरि मंदिर प्रांगण भोले नाथ के जयकारों से गूंजा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। हर वर्ष किं तरह इस वर्ष भी सावन के पवित्र मास में श्री हरि मंदिर प्रांगण में प्रबंध समिति द्वारा भोलेनाथ का प्रदोष पूजन कराया गया । पूज्य पंडित श्री नरेश शास्त्री महाराज द्वारा भोलेनाथ का प्रदोष पूजन कराया गया। पंडित नरेश शास्त्री महाराज द्वारा सर्वप्रथम भोलेनाथ का विधिवत पूजन कराया गया उसके बाद मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक कराया और बेलपत्र, भांग,धतूरा आदि बाबा भोलेनाथ को अर्पित किया गए। इस बार यजमान की सेवा का अवसर स्वेता और तुषार छाबड़ा, वा गिफ्टी और नमन आनन्द को भोलेनाथ की कृपा से मिला। प्रदोष पूजन के अवसर पर श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा,अश्विनी ओबेरॉय,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,अनिल चड्ढा,हरीश लुनियाल,राजेश अरोरा,एवं रेनू छाबड़ा की अगुवाई में महिला मंडल की सदस्य भी उपस्थित रही समापन पर सचिव रवि छाबड़ा ने सभी भोलेनाथ के भक्तों का आभार व्यक्त किया सभी को प्रसाद भी वितरण किया गया

सेवानिवृत्त शिक्षक को पड़ोसी ने दिया धक्का, मौत, हत्या की रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। किला थाना क्षेत्र के फूलबाग छावनी में शुक्रवार रात गाली-गलौज का विरोध करने पर पड़ोसी ने दरोगा के सेवानिवृत्त शिक्षक पिता को धक्का दे दिया। इससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में दंपती समेत तीन लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है। किला थाना क्षेत्र के फूलबाग छावनी निवासी राजेश कुमार ने बताया कि वह गाजियाबाद के थाना बापूधाम में दरोगा के पद पर तैनात हैं। छुट्टी पर घर आए हुए थे। शुक्रवार रात करीब नौ बजे उनके पड़ोस में रहने वाला मनोज शराब पीने के बाद उनके दरवाजे के बाहर बेवजह गाली-गलौज कर रहा था। उनके सेवानिवृत्त शिक्षक पिता नत्थूलाल (65) मनोज को समझाने गए। बेहोशी की हालत में मिले थे सेवानिवृत्त शिक्षक विरोध करने पर मनोज, उसकी पत्नी और किशनपाल ने उनके पिता को धक्का दे दिया। इससे वह गिर गए। पिता काफी देर तक घर नहीं आए तो वह उनको देखने पहुंचे। पिता बेहोशी की हालत में पड़े हुए थे। आनन-फानन उनको लेकर जिला अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। किला थाना प्रभारी सुरेश चंद गौतम ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मौत की सही वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। जांच में सामने आया है कि नत्थूलाल हृदयरोगी थे। उनके शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं मिला है। किसी ने पीटते या धक्का देते भी नहीं देखा है। मनोज को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

डिलारी के सिहाली खद्दर में बाढ़ से गिरा गरीब का आसियाना , राजकीय इंटर कॉलेज का रास्ता भी हुआ प्रभावित

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी = इस समय जिले के कई हिस्सों में बाढ़ का कहर जारी है, जनपद मुरादाबाद के गांव सिहाली खद्दर में किसानों की सेकड़ो एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं और राजकीय कॉलेज सिहाली खद्दर का रास्ता भी बाढ़ के कारण टूट गया है।और बाढ़ के पानी एक गरीब का आसियाना भी गिर गया है बाढ़ के पानी ने कई गांवों को घेर लिया है, जिससे ग्रामीणों की ज़िन्दगी पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। सिहाली खद्दर के स्थानीय किसानों का कहना है कि यह बाढ़ उनकी सालों की मेहनत को नष्ट कर रही है। सेकड़ो एकड़ खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। इस संकट से किसान बुरी तरह से प्रभावित हैं और उनकी आर्थिक स्थिति में भारी गिरावट आई है। स्थानीय लोगो ने बताया की गांव के पास में एक नहर है जिसको रामगंगा नदी के तेज बहाब ने पूरी तहर से नहर की पटरी को तोड़ दिया है। जिस कारण बाढ़ का पानी गांव की तरफ जंगल में घुस गया और सारी फसलों को नष्ट कर दिया। इसके साथ ही बाढ़ ने राजकीय इंटर कॉलेज सिहाली खददर का मुख्य रास्ता भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। छात्रों और शिक्षकों के लिए कॉलेज तक पहुंचना अब बिलकुल बंद हो गया है। जबकि राजकीय इंटर कॉलेज में करीब 5 गांवो के 250 छात्र छात्राए शिक्षा हासिल करने आते है मगर बाढ़ के कारण स्कूल जाने का रास्ता पूरी तरह टूट गया है। जिससे 250 छात्र छात्रों की शिक्षा पर भरी प्रभाव पड़ेगा। जबकि स्थानीय लीगो ने राजकीय इंटर कॉलेज सिहाली खददर के टूटे हुए रास्ते और नहर की टूटी हुई पटरी को जल्द से जल्द सही करने की मांग की है। बाढ़ ने केवल किसानों की फसलें ही नहीं, बल्कि पूरे इलाके की जीवनशैली को प्रभावित किया है।

फरहत नक़वी ने दिया एकता और प्रेम का संदेश झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार को बांधी राखी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और फाउंडेशन की नक़वी के बीच रिश्ते की अनूठी को मिली। हर साल भी फरहत नक़वी ने को राखी बांधी और कराकर त्यौहार की इस अवसर पर दोनों लंबी उम्र और की दुआ दी।

मेरा हक अध्यक्ष फरहत भाई-बहन के मिसाल देखने की तरह इस बार संतोष गंगवार मुंह मीठा शुभकामनाएं दीं। ने एक-दूसरे को खुशहाल जीवन रक्षाबंधन के मौके पर संतोष गंगवार ने कहा कि यह त्यौहार केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में एकता, विश्वास और प्रेम का प्रतीक भी है। उन्होंने सभी देशवासियों से अपील की कि इस पावन पर्व पर हमें आपसी भाईचारे को मजबूत करने और नारी सम्मान के संकल्प को अपनाना चाहिए। फरहत नक़वी ने कहा कि रक्षाबंधन सिर्फ राखी बांधने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है, जब हम रिश्तों की अहमियत को समझते हैं और उन्हें सहेजने का वादा करते हैं। उन्होंने बताया कि वर्षों से उनका और संतोष गंगवार का यह भाई-बहन जैसा संबंध कायम है और वे हर साल रक्षाबंधन पर राखी बांधकर इसे और मजबूत करती हैं। कार्यक्रम के दौरान आपसी बातचीत में दोनों ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और समाज में सौहार्द बढ़ाने पर भी जोर दिया। संतोष गंगवार ने मेरा हक फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ऐसे प्रयास बेहद जरूरी हैं। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने भी भाई-बहन के इस रिश्ते और आपसी प्रेम के इस संदेश की सराहना की। रक्षाबंधन के इस मिलन ने यह साबित कर दिया कि त्यौहार केवल एक रस्म नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का माध्यम भी होते हैं।

हाईवे पर एक्सल टूटने से अनियंत्रित हुई बस, पानी में घुसी, मची चीख-पुकार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पीलीभीत हाईवे पर रोडवेज बस एक्सल टूटने से अनियंत्रित होकर खंती में घुस गई। हादसा सिथरा गांव के पास हुआ। बस में चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग ओर दौड़ घटनास्थल की बस से बाहर पड़े। सवारियों को रक्षाबंधन के निकाला। खचाखच चलते बस 69 यात्री भरी थी। बस में में पांच से अधिक यात्री मामूली रूप से चोटिल हुए हैं। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं सवार थे। हादसे आई। पीलीभीत डिपो की रोडवेज बस शनिवार सुबह सवारियों लेकर बरेली आ रही थी। बताया गया है कि हाफिजगंज क्षेत्र में सिथरा गांव के पास हाईवे पर गड्ढे हैं। गड्ढे में बस का पहिया जाने से उसका एक्सल टूट गया, जिससे बस अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खंती में उतर गई। खंती में बारिश का पानी भरा था। गनीमत रही कि बस पलटी नहीं, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद घटनास्थल पर राहगीरों व स्थानीय लोग जुट गए। शीशा तोड़कर सवारियों को बाहर निकाला। जिस खंती में बस उतरी थी, उसमें पानी था। उधरनपुर के पूर्व प्रधान सर्वेश गंगवार ने सवारियों को फंसा देख फार्म हाउस के लोहे का दरवाजा लाकर रखा। जिसके ऊपर से सवारियों को बाहर निकाला। सूचना पर थाना पुलिस भी पहुंची। सवारियों को दूसरे वाहनों से गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

विधायक ने भरी हुंकार हर घर लहराएगा तिरंगा

स्वतंत्रता दिवस पर क्षेत्र का हर घर तिरंगे से सजेगा, कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम/ 128 बरखेड़ा बिधानसभा क्षेत्र के न्यूरिया मंडल की बैठक ब्लॉक मरौरी के गांव भमोरा में हुई बैठक में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने को लेकर रणनीति तय की गई। जिसमें 15 अगस्त तक अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया गया। क्षेत्रीय विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव देश के हर नागरिक के लिए गौरव का अवसर है। तिरंगा हमारी आजादी, सम्मान और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें और हर घर पर तिरंगा फहराने में सहयोग करें। बैठक में मझोला गुलड़िया नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह, न्यूरिया मंडल अध्यक्ष महेंद्र पाल राजपूत, मंडल कार्यक्रम संयोजक एवं महामंत्री आनंदपाल वर्मा, आतिफ मुख्तार, दिलबाग सिंह भुल्लर, मुन्ना लाल भारती, मेवा राम कश्यप, जगदीश प्रसाद, सुशील कुमार, एसके वर्मा, कृष्णा वाल्मीकि, कुमार, सुरेश कुमार, ओमप्रकाश, नंदकिशोर, कृष्ण कुमार शर्मा, अवधेश कुमार, जसवंत समेत शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संकल्प लिया कि स्वतंत्रता दिवस पर क्षेत्र का कोई भी घर तिरंगा फहराने से वंचित न रहे और तिरंगे के सम्मान में अधिक से अधिक लोग भागीदारी निभाएं।

त्योहारों के लिए जोड़ी में बुक कराएं टिकट, वापसी में पाएं 20 प्रतिशत की छूट

रेलवे ने प्रयोग के तौर पर राउंड ट्रिप पैकेज स्कीम लागू की। त्योहारों के लिए जोड़ी में टिकट बुक कराने पर वापसी में 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी।रेलवे ने दीपावली समेत अन्य त्योहारों को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयोग के तौर पर राउंड ट्रिप स्कीम शुरू की है। इस स्कीम में यात्रियों को वापसी यात्रा में 20 प्रतिशत का डिस्काउंट मिलेगा। यह सिर्फ उन्हीं यात्रियों को मिलेगा जो जाने के साथ ही लौटने की आरक्षित टिकट भी बुक कराएंगे।रेलवे ने 13 अक्टूबर से की जाने वाली यात्रा के लिए 14 अगस्त से बुकिंग शुरू की है। 13 से 26 अक्टूबर तक यात्रा करने वालों के लिए पहले बुकिंग होगी। वापसी यात्रा के लिए 17 नवंबर से एक दिसंबर तक टिकट बुक होंगी। इस स्कीम का लाभ उठाने के लिए यात्री को एक जैसी श्रेणी और ट्रेन में ही टिकट बुक करानी होगी। स्कीम में रिफंड का प्रावधान नहीं है और न ही टिकट सुधार की सुविधा दी की गई है। जिन ट्रेनों में फ्लैक्सी फेयर का प्रावधान है, उन्हें इस स्कीम से बाहर रखा गया है। इस स्कीम में बेस किराए में 20 प्रतिशत छूट का लाभ केवल कन्फर्म टिकट पर ही लागू होगा। किसी भी प्रकार की रियायतें (रेलवे पास, बाउचर, रेल यात्रा कूपन) का लाभ इस स्क्रीम में नहीं मिलेगा।स्कीम के तहत दोनों तरफ की यात्रा के लिए टिकट बुक करवाने का माध्यम भी समान ही होना चाहिए। जैसे अगर किसी यात्री ने जाने की टिकट ऑनलाइन बुकिंग से की है तो वापसी की टिकट भी ऑनलाइन ही होनी चाहिए। यही व्यवस्था आरक्षण काउंटर से टिकट लेने पर भी लागू होगी। बेसिक किराया किलोमीटर के हिसाब से तय होता है। - शशिकांत त्रिपाठी, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर-मध्य रेलवे

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बहनों ने बांधी भाइयों को राखी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। रक्षाबंधन के पर्व पर शनिवार को बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर प्रेम, विश्वास और रक्षा के प्रतीक स्वरूप राखी बाँधकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर काव्या शर्मा, श्रेयांश शर्मा और शिव शर्मा ने अपने भाई की कलाई पर राखी बाँधते हुए उसे दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सफलता का आशीर्वाद दिया। त्योहार के दौरान घर में हर्ष और उल्लास का माहौल रहा। मिठाइयों की मिठास और भाई-बहन के स्नेह से पूरा वातावरण सरस और भावनात्मक बन गया। बहनों ने अपने भाई से जीवनभर साथ निभाने और सुरक्षा का वचन लिया, वहीं भाई ने भी उनकी खुशी और सम्मान की रक्षा करने का संकल्प दोहराया ।

बहनों ने भाईयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांध कर दीर्घायु की कामना

क्यूँ न लिखूँ सच / रिठौरा। रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भंडसर, बंजरिया, सावरखेड़ा मुंडिया अहमदनगर, आदि क्षेत्र में श्रद्धा भाव से मनाया गया। बहनों ने भाईयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांध कर उनकी लम्बी उम्र की कामना की, भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनकी जीवनपर्यंत रक्षा का वचन दिया।

दुकानदार और बेटों की पिटाई करने वाले दो पुलिसकर्मी निलंबित, एसएसआई और दो सिपाही लाइन हाजिर

रजबपुर में दुकानदार शम्शुद्दीन और उनके बेटों साकिब व शहादत से मारपीट करने पर एसपी अमित कुमार आनंद ने कांस्टेबल राहुल भाटी और विजय को निलंबित कर दिया। इसके अलावा एसएसआई आकाश कुमार व कांस्टेबल राहुल राणा और दीपक तोमर को लाइन हाजिर किया गया है। आरोप है कि नशे में धुत पुलिसकर्मियों ने पिता-पुत्र की बेरहमी से पिटाई की थी। उसका वीडियो वायरल होने पर कार्रवाई हुई। रजबपुर में दुकानदार शम्शुद्दीन और उनके दो बेटे साकिब व शहादत के साथ मारपीट करने वाले दो पुलिसकर्मियों को एसपी अमित कुमार आनंद ने निलंबित कर दिया है। इसके अलावा रजबपुर थाने के एसएसआई और दो सिपाहियों को लाइन नजर किया है। जिससे चार लोग उतरे। आरोप है कि चारों शराब के नशे में थे और खुद को पुलिसकर्मी बता रहे थे। इस बीच शम्शुद्दीन और पुलिसकर्मियों के बीच कहासुनी हो गई। जिस पर चारों ने मारपीट शुरू कर दी। शम्शुद्दीन के मुताबिक उनके बेटे शाकिब को चारों ने पकड़ लिया और उसकी बेरहमी से पिटाई की। इस पर जब शहादत ने वीडियो बनाना शुरू किया तो उसे भी दौड़ा कर पीटा। करीब पंद्रह मिनट तक सिपाही दुकान पर हंगामा करते रहे। इस दौरान किसी तरह शहादत ने मारपीट और गाली-गलौज की वीडियो बना लिया। लोगों की भीड़ जमा होने पर चारों पुलिस कर्मी तीनों पिता-पुत्र को थाने ले आए। सूचना मिलते ही आक्रोशित ग्रामीण थाने पहुंचे और हंगामा किया। ग्रामीणों का जमावड़ा देखकर पुलिसकर्मियों ने तीनों को छोड़ दिया। बाद में दुकानदार के बेटों से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पीड़ित शम्शुद्दीन ने मामले की शिकायत एसपी अमित कुमार आनंद से की। वहीं, सदर विधायक महबूब अली ने भी पुलिस कर्मियों के गलत रवैये को लेकर नाराजगी जताई। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि दुकानदार और उसके बेटों से मारपीट के मामले में सीओ सिटी शक्ति सिंह से जांच कराई गई। जिसमें कांस्टेबल राहुल भाटी व विजय दोषी पाए गए।एसएसआई आकाश कुमार, कांस्टेबल राहुल राणा और दीपक तोमर ने भी कार्य में लापरवाही बरती। मामले को गंभीरता से लेकर कांस्टेबल राहुल भाटी और विजय को निलंबित कर दिया गया है। एसएसआई आकाश कुमार, सिपाही राहुल राणा और दीपक तोमर को लाइन हाजिर किया गया है। पांचों पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच करने के लिए सीओ लाइन को निर्देश दिए गए हैं।

न्यूरिया मे रक्षाबंधन का पर्व बहुत ही धूम धाम से मनाया गया रक्षाबंधन

♦ न्यूरिया मे एक मिठाई कि दुकान पर लगी ग्राहकों की भीड़

□ न्यूरिया थाने मे एकल अभियान ग्राम संगठन महिला विभाग द्वारा समस्त थाना स्टॉफ के राखी बांध कर मनया पर्व

क्यूँ न लिखूँ सच / पत्रकार बब्लू / न्यूरिया मे रक्षाबंधन का पर्व बहुत ही धूम धाम से मनाया गया रक्षाबंधन एक ऐसा त्योहार है जो भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत बनाता है. इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती इसके बदले में भाई भी अपनी बहन की रक्षा करने का संकल्प लेते है और बहिने आपने भाई को राखी बाँधकर मिठाई खिलाती है

शनिवार को भाई बहिन के स्नहे का पर्व रक्षाबंधन मनाया गया सुबहा से ही भाई अपनी बहिनो का आने का इंतज़ार करते रहे बहिनो ने भाईयो के घर पहुंचकर उनके माथे पर टीका करके उनके हाथ मे राखी बाँधी हर तरफ रक्षाबंधन का का उत्साह दिखाई दिया बसों और डगगामार वहानो मे भीड़ देखी गयी और थाना न्यूरिया मे समस्त स्टॉफ को सम्भग ब्रज मंडल अंचल पूरनपुर संच विथरा का इस वर्ष भी रक्षाबंधन पर्व पर समस्त आचार्य बहिनो द्वारा थाना न्यूरिया मे समस्त पुलिस स्टॉफ के हाथो मे राखी बांधकर साथ ही बहुत ही प्रेम भाव से मनया गया और समस्त पुलिस स्टॉफ भाईयो को राखी बाँधकर मिठाई खिलाई गयी थाना प्रभारी सुभाष मावी के द्वारा आत्मनिर्भर एवं एकल अभियान के बारे मे बिस्तार से प्रेणादायक बाते बतई गयी और इस कर्यक्रम मे उपस्थित संच अध्यक्ष धर्मापल और आचार्य बहिने व समस्त पुलिस स्टॉफ उपस्थित रहा

रक्षाबंधन के दिन जली चिता: रात घर जा रहे थे दो भाई, गांव के कट पर पहुंचते ही वाहन में मारी टक्कर; एक की मौत

पीड़ित पिता ने बताया कि अवलोक के कंधे, सिर व पैर में गंभीर चोट हैं, जिसको आईसीयू में उपचार चल रहा है। वहीं रक्षाबंधन से एक दिन पहले हुए इस हादसे में महारत्न की मौत की जानकारी मिलते ही पहासू के फतिहाबाद गांव में मातम पसरा हुआ है। यूपी के खुर्जा स्थित एनएच-34 पर शुक्रवार रात को स्कूटी सवार दो भाइयों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसमें पहासू निवासी महारत्न (26) की मौत हो गई। वहीं, उसका फुफेरा भाई अवलोक घायल हो गया, जो अस्पताल में भर्ती है। नेहरूपुर गांव निवासी राहुल ने बताया कि उनका बेटा अवलोक दिल्ली में स्थित एक कंपनी में नौकरी करता है। उसी के साथ पहासू के नगला फतिहाबाद गांव निवासी उनके पत्नी के भाई कुंवरपाल का बेटा महारत्न भी नौकरी करता था। शुक्रवार रात को दोनों ममेरे और फुफेरा भाई एक स्कूटी से दिल्ली से घर लौट रहे थे। जब वह हाइवे पर धरपा गांव के कट के पास पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने स्कूटी में टक्कर मार दी, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कैलाश अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी। अस्पताल में चिकित्सकों ने महारत्न को मृत घोषित कर दिया और अवलोक को भर्ती कर लिया गया। पीड़ित पिता ने बताया कि अवलोक के कंधे, सिर व पैर में गंभीर चोट हैं, जिसको आईसीयू में उपचार चल रहा है। वहीं रक्षाबंधन से एक दिन पहले हुए इस हादसे में महारत्न की मौत की जानकारी मिलते ही पहासू के फतिहाबाद गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजन बिना पुलिस कार्रवाई के शव को अपने गांव ले गए। थाना पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई और एक घायल है। इसमें परिजनो ने पोस्टमार्टम जांच और तहरीर से इनकार कर दिया।

अब किसे राखी बांधें..., रक्षाबंधन पर तीन भाइयों की दर्दनाक मौत, लाशें देख बेहोश हुईं बहनें; मचा चीत्कार

रक्षाबंधन पर सड़क हादसों में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। बहनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनका रो-रोकर बुरा हाल था।एटा में अलग-अलग स्थानों पर हुईं सड़क दुर्घटनाओं में कैब चालक सहित 3 लोगों की मौत हो गई। दो लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। वहीं दूसरे की उपचार के बाद छुट्टी कर दी गई। गांव दौकेली थाना ढोलना जिला कासगंज निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि भतीजा अजय (26) दिल्ली में रहकर ओला कंपनी की टैक्सी कार चलाता था। वह शुक्रवार की देर रात वहां से चला तो रिजोर थाना क्षेत्र के गांव गुलालपुर उर्फ नगला बाचा निवासी सहवीर सिंह (40) सवारी के रूप में मिल गया। वह भी दिल्ली में रहकर निजी कंपनी में नौकरी करता था। इसी थाना क्षेत्र के गांव फफोतू निवासी आराम सिंह और अतर सिंह निवासी मनकापुर थाना सोरों जिला कासगंज भी मिल गए। सभी लोग टैक्सी में बैठकर रक्षाबंधन मनाने के लिए घर आ रहे थे। टैक्सी शनिवार सुबह लगभग 6 बजे अवागढ़ थाना क्षेत्र में चुरथरा चौराहे के पास पहुंची। चालक को नींद की झपकी आ जाने से वह अज्ञात वाहन से टकरा गई। दुर्घटना होते ही कार में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इन्होंने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अवागढ़ पहुंचाया गया। यहां चिकित्सक ने अजय को मृत घोषित कर दिया। कुछ देर चले उपचार के बाद सहवीर की भी सांसें थम गईं। गंभीर रूप से घायल आराम सिंह का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। अतर सिंह को सेहत में सुधार होने पर घर भेज दिया गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है।इकलौते भतीजे को मेरठ से अवागढ़ खींच लाई मौत-प्रदीप कुमार ने बताया कि भतीजा अजय शुक्रवार को मेरठ से सवारी लेकर दिल्ली पहुंचा था। वहां से एक सवारी आगरा की, 1 सोरों और 2 सवारी एटा की मिल गईं। वह यमुना एक्सप्रेस-वे से होते हुए घर लौट रहा था। अवागढ़ क्षेत्र में आगरा रोड पर यह दुर्घटना हो गई। अजय इकलौता होने से सबका लाड़ला था। तीन बहनों के बीच अकेला भाई था। रक्षाबंधन वाले दिन मौत होने के कारण परिजन सदमे में हैं। बहनें बार-बार रोते हुए कहती हैं कि अब किसके राखी बांधें। वह बार-बार बेहोश हो रही थीं।दूसरी घटना में गांव दतेई थाना मिरहची निवासी धर्मवीर सिंह ने बताया कि भतीजा गौरव (32) शनिवार की सुबह पत्नी व बच्चों को बाइक से ससुराल कस्बा व थाना जैथरा छोड़कर लौट रहा था। रास्ते में अलीगंज मार्ग पर कोतवाली देहात क्षेत्र में गांव पवांस के पास कार की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस गौरव को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लाई।

आसमान से गिरी आतिफ पर मौत- भाई संग बाहर बारिश में नहा रहा था, आकाशीय बिजली गिरने से गई जान

स्थानीय निवासी मुबारिक अली ने बताया कि आतिफ अपने भाई भोलू और कुछ दोस्तों के साथ घर से थोड़ी दूरी पर खुले आसमान के नीचे बारिश में नहा रहा था। अचानक मौसम में बदलाव आया और आसमान में बिजली चमकने लगी। तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली सीधे आतिफ पर आ गिरी।यूपी के हापुड़ सुबह मूसलाधार बारिश के दौरान एक वर्षीय आतिफ पुत्र जुल्फिकार की से मौके पर ही मौत हो गई। यह हुई, जब आतिफ अपने घर के बाहर कक्षा छह का यह छात्र अपने भाई और आनंद ले रहा था, तभी यह त्रासदी मौसम, बनी मुसीबत

स्थानीय निवासी मुबारिक अली ने बताया कि आतिफ अपने भाई भोलू और कुछ दोस्तों के साथ घर से थोड़ी दूरी पर खुले आसमान के नीचे बारिश में नहा रहा था। अचानक मौसम में बदलाव आया और आसमान में बिजली चमकने लगी। तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली सीधे आतिफ पर आ गिरी। धमाके की आवाज इतनी प्रबल थी कि आसपास के लोग भी सहम गए। परिजनों और गांव में शोक की लहर हादसे के बाद आतिफ के भाई और दोस्त सदमे में आ गए। परिजन और ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आतिफ की जान जा चुकी थी। इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि आतिफ एक हंसमुख और पढ़ाई में होनहार बच्चा था, जिसकी मौत ने सभी को झकझोर कर रख दिया। पुलिस ने की पुष्टि थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र बिष्ट ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि किशोर की मौत आकाशीय बिजली गिरने के कारण हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर खुले में बारिश के दौरान सावधानी बरतने की जरूरत को रेखांकित किया है।

सपा ने पाले पिल्ली-पिल्ला, जो भौंकते हैं; राहुल गांधी के बयान और बिहार चुनाव पर ओपी राजभर ने कही बड़ी बात

बलिया में मंत्री ओपी राजभर ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से लेकर राहुल गांधी और बिहार चुनाव को लेकर कई बातें कहीं। यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। शुक्रवार देर शाम रसड़ा स्थित कार्यालय पर समाजवादी पार्टी पर तंज कसा। कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग पिल्ली-पिल्ला पाल लिए हैं। ये देशी कुत्तों की तरह भौंक रहे हैं। ओमप्रकाश राजभर से जब सवाल पूछा गया कि अखिलेश यादव ने ओमप्रकाश राजभर के मुकाबले सपा सांसद रमाशंकर राजभर को आगे किया है, तो ओपी राजभर ने सपा पर हमला करना शुरू कर दिया। कहा कि एक लोडर होता है जो अपने मालिक की मर्जी से काम करता है, एक लीडर होता है जो अपनी मर्जी से काम करता है। हमारी पार्टी में हर जाति-धर्म के लोग हैं, बोलने के लिए हर कोई आजाद है। सपा में अगर कोई मर्द है तो कह दे कि 27 में मुसलमान को मुख्यमंत्री बनाएंगे। संसद चल रही है। 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए सामाजिक न्याय समिति या फिर रोहिणी आयोग समिति की रिपोर्ट तैयार है। अगर किसी की जुबान खुलेगी तो अखिलेश जुबान काट लेंगे। समाजवादी पार्टी के लोग कुछ पिल्ली-पिल्ला पाल लिए हैं। ये भौंक रहे हैं। दूषित हो गया है वातावरण- प्रदेश में बढ़ते अपराध पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश में अपराध को कम करने के लिए ही यूपी सरकार पौधारोपण कर रही है। क्योंकि वातावरण दूषित हो गया है। जब करोड़ों की संख्या में यूपी में पेड़ लग जाएंगे तो अपराध में कमी आएगी। वातावरण का दोष है, खानपान का दोष है। रासायनिक खाद का बड़े पैमाने पर प्रयोग हो रहा है। वायुमंडल दूषित है। इसी को रोकने के लिए मेरे विभाग ने एक करोड़ 28 लाख पेड़ लगाए हैं। सरकार ने एक अरब पेड़ लगाए हैं। पेड़ लग जाएंगे तो यूपी में अपराध कम हो जाएगा। राहुल गांधी के वोटर लिस्ट में गड़बड़ी वाले बयान पर जवाब- राहुल गांधी की ओर से वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर दिए गए बयान पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि राहुल गांधी के बयान मजाक बनकर रह गए हैं। राहुल गांधी जहां से चुनाव जीते हैं क्या इलेक्शन कमीशन ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करके चुनाव जिताया? डिनर पार्टी में अखिलेश यादव के जाने पर कहा कि अखिलेश यादव मध्य प्रदेश और उत्तराखंड चुनाव में भी गए थे और वहां कांग्रेस को हरा दिया। यूपी में कांग्रेस का जनाधार खत्म हो चुका है। कांग्रेस सिर्फ सपा के जरिए यूपी में जिंदा रहना चाहती है। अखिलेश यादव पर तंज कसते कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव रात के अंधेरे में मोदी और योगी को गुलदस्ता देते हैं और कहते हैं कि जान बची रहे। दिन में बीजेपी के खिलाफ बोलते हैं। बिहार चुनाव को लेकर कही ये बात बिहार चुनाव को लेकर कहा कि अमित शाह सहित बड़े नेताओं से 70 प्रतिशत तक बात हो चुकी है। 30व बची है। जल्द ही बिहार चुनाव में हम एनडीए के साथ चुनाव लड़ेंगे। लालू कहते थे कि सड़क बनाना जरूरी नहीं है, क्योंकि पुलिस जल्दी आ जाएगी। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि पहले हम पीडीए को परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी बताते थे। अब पीडीए की पाठशाला चलकर सपा के लोग खुद बता रहे हैं कि अ से अखिलेश, ड डिम्पल और प से परिवार। बलिया में एनएचआई की ओर से बनाए गए पुल को पीडब्ल्यूडी की ओर से शुरू करने पर दयाशंकर सिंह की नाराजगी पर कहा कि अधिकारियों को चाहिए कि वह क्षेत्रीय विधायक और मंत्री को इसकी सूचना दें।

संक्षिप्त समाचार

भाई -बहिन का रिश्ता हमेशा रहेगा मजबूत

क्यूँ न लिखूँ सच / धर्मेंद्र चौधरी / अलीगढ़ वैदिक पंचांगो के अनुसार रक्षाबंधन इस साल 9 अगस्त को मनाया गया।यह त्यौहार भाई - बहिन के बीच पवित्र प्यार और मजबूत रिश्ते का प्रतीक है।मान्यताओं के अनुसार रक्षाबंधन पर बहिने अपने भाई की कलाई पर अपने प्यार के प्रतीक के रूप मे राखी बांधती है।और बदले मे भाई उनकी रक्षा करने का वादा करता है।साथ ही उन्हें उपहार देते है!

उत्तरकाशी आपदा: धराली में लापता हुआ मथुरा का जवान, परिजनों को सता रही चिंता; सकुशल वापसी की कर रहे प्रार्थना

धराली में हुई आपदा में मथुरा निवासी सेना का जवान भी लापता है। सेना के जवान के घर पर रिश्तेदारों और ग्रामीणों का

आना-जाना लगा हुआ है। हर कोई उनके सकुशल वापसी के लिए प्रार्थना कर रहा है।उत्तराखंड के उत्तरकाशी आपदा में मथुरा निवासी सेना का जवान भी लापता हो गया है। अब तक जवान के बारे में कुछ भी पता नहीं लग सका है। परिजनों को चिंता सता रही है। ग्रामीण जवान की सकुशल वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। राया के सादाबाद रोड पर स्थित गांव नगला हर्राय निवासी प्रेम सिंह (20) अग्निवीर भर्ती से आर्मी में शामिल हुए थे। बताया गया कि पांच अगस्त को धराली में बादल फटने के दौरान प्रेम सिंह भी लापता हो गए। भाई नीरज और राजू ने बताया कि घटना के अगले दिन कंट्रोल रूम से लापता होने की सूचना मिली थी। उसके बाद कोई जानकारी नहीं हो सकी।प्रेम सिंह 19 जून को दिल्ली से ट्रेनिंग के बाद गांव आए थे। उसके बाद वह वापस चले गए। जवान प्रेम सिंह के लापता होने के बाद घर पर लोगों का आना जाना लगा हुआ है। ग्रामीण प्रेम सिंह के सकुशल वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं। बड़े भाई भी नेवी में है तैनात गांव नगला हर्राय निवासी जगदीश सिंह के पांच पुत्र हैं, जिस में प्रेम सिंह सबसे छोटे हैं। बड़ा बेटा धर्मेन्द्र भी नेवी में है, जो फिलहाल केरल में तैनात हैं।

बारिश के बीच ढहा कमरा, पत्नी की मौत... पति की हालत नाजुक; मां की लाश देख चीख उठा इकलौता बेटा

यूपी के सुल्तानपुर में बारिश के बीच एक कमरा ढह गया। मलबे में दबकर पत्नी की मौत हो गई। जबकि, पति अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। मां की लाश देखकर इकलौता बेटा चीख उठा। यूपी के सुल्तानपुर में लगातार बारिश के बीच गुरुवार की आधी रात 2:30 बजे एक जर्जर कमरा भरभराकर ढह गया। मलबे में दबकर महिला की मौत हो गई। जबकि, पति की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना से इकलौता बेटा चीख उठा। ग्रामीण परेशान बेटे को ढांढस बंधाते रहे।घटना कोतवाली देहात क्षेत्र के नरायनपुर मजरे बिसानी गांव की है। गांव निवासी पार्वती यादव (60) की मलबे में दबकर मौत हुई है। जबकि, उनके पति रामप्यारे यादव (62) की हालत नाजुक बनी हुई है। रात में सोते समय कमरे ढहने से दोनों मलबे में दब गए थे। चीख पुकार सुनकर ग्रामीणों ने दोनों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां सुबह करीब 5.30 बजे पार्वती ने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने राजस्व कर्मियों और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर हल्का लेखपाल अमित सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक अखंडदेव मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

परिवार की हालत दयनीय- गरीबी का दंश झेल रहे रामप्यारे यादव के तीन बच्चे हैं। दो पुत्रियों में बड़ी पुत्री अनीता की मौत एक दशक पूर्व बीमारी की वजह से हो गई थी। दूसरी पुत्री सुनीता की शादी हो गई है। वह अपने ससुराल में है। इकलौते बेटे विजय बहादुर यादव (40) की शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही उसकी पत्नी मायके चली गई। वापस न आकर दूसरी शादी कर ली। भैया दो जून की रोटी अब के देई- बताया गया कि विजय को कोई संतान नहीं है। वह मजदूरी करके अपना व वृद्ध माता-पिता का जीविकोपार्जन करता था। मां के गम में विजय फफक-फफक कर रोते हुए कहता रहा कि भैया मां के हाथ से बनी दो जून की मिलने वाली रोटी अब के देई, अब कोई सहारा नहीं बचा।

छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल का आज 86वां दिन

ग्राम सपहा के अल्पसंख्यक बौद्ध समुदाय के लालजी बौद्ध ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि शासन और अधिकारियों की मिलीभगत से उनके परिवार और संपत्ति को खतरे में डालने की साज़िश हो रही है। लालजी बौद्ध का कहना है – 31 जुलाई को वन परिक्षेत्र अधिकारी बिहारपुर ने मकान निर्माण के दस्तावेज़ मांगते हुए नोटिस जारी किया, जबकि पूरे क्षेत्र में यह कार्रवाई सिर्फ उन्हीं के खिलाफ हुई। आरोप है कि सूरजपुर के कलेक्टर ने बैठक में उनका नाम लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही, 2 अगस्त को बीजेपी पदाधिकारी सियाराम नाई पर भी आरोप लगाया गया कि उन्होंने ग्रामीणों से हड़ताल का समर्थन न करने की अपील की और बिजली कनेक्शन व बिल को लेकर दबाव बनाया।हड़ताली ग्रामीणों का कहना है – सड़क, पानी, बिजली, पुलिया, सामुदायिक भवन, वन अधिकार पट्टा, सोलर पंप और अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग अब भी अधूरी है। बीमारियों और खराब हालात के बावजूद आंदोलन जारी है। लालजी बौद्ध ने चेतावनी दी है कि 15 अगस्त तक मांगें पूरी न हुईं तो स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और पंचायत प्रतिनिधियों का पुतला दहन किया जाएगा। उनका आरोप है कि 1947 की आज़ादी शोषित, वंचित और पीड़ित वर्ग को नहीं मिली, और वे आज भी गुलामी में जी रहे हैं। ग्राम सपहा में माहौल तनावपूर्ण है, और आंदोलनकारियों ने साफ कहा है हक की लड़ाई पूरे छत्तीसगढ़ में फैलाकर ही दम लेंगे।

भाई बहन का प्यार रक्षाबंधन पर्व पर भाई की कलाई पर राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन का भव्य त्यौहार

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ शामली भाई बहन के असीम प्रेमी अटूट रिश्ते के प्रतीक रक्षाबंधन के पर्व पर बहन ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर मनाया गया बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए सुंदर-सुंदर रियो से थाल सजाकर राखी बांधने के लिए दूर-दूर से आती है यह भाई बहन का एक अटूट रिश्ता और प्रेम का प्रतीक है जब बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बनती है तो भाई अपनी बहन की रक्षा और सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने कंधे पर लेता है और बहन अपने भाई की हर संकट से लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहती है यह भाई बहन का एक अटूट प्रेम वाला रिश्ता होता है यह हमारे भारत वर्ष में भाई बहन का रिश्ता एवं रक्षाबंधन का त्यौहार बड़े धूमधाम के साथ भारतवर्ष के सभी राज्यों में मनाया जाता है बहन अपने भाई की कलाई पर राखी के रूप में एक सुरक्षा कवच की तरह राखी के रूम में बनती है इसी तरह खुशी गुप्ता वैष्णवी गुप्ता ने अपने भाई अयांश गुप्ता की कलाई पर सुरक्षा कवच के रूम में तिलक लगाकर राखी बांधी और भाई को आशीर्वाद देती लम्बी आयु के लिए और हमारे देश में जितनी बहने अपनी भाई को राखी नहीं बाधती इतने बहने अपने भाई के लिए उपवास रखते हैं

रक्षाबंधन पर हाईवे पर भीषण जाम थाना प्रभारी सतीश कुमार ने खुद संभाली कमान

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ कांधला शामली कांधला रक्षाबंधन के त्योहार पर शनिवार सुबह से कैमरा दिल्ली बस स्टैंड पर हालत बिगड़ गई त्यौहार के अवसर पर घर जाने और आने वाले यात्रियों की भीड़ इतनी बढ़ गई की बस स्टैंड और आसपास के सड़कों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारे लग गई यात्री बसें निजी गाड़ियां ई रिक्शा और दुपहिया वाहन एक ही मार्ग पर फंसने से यातायात पूरी तरह ठाकुर गर्मी और उमस के बीच फंसे यात्रियों की बेचैनी बढ़ने लगी और स्थिति लगातार गंभीर होती चली गई सुबह करीब 10ः00 बजे स्थिति की जानकारी मिलते ही कांधला प्रभारी सतीश कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के बाद खुद मोर्चा संभाला और जवानों को अलग-अलग स्थान पर तैनात कर दिया थाना प्रभारी खुद ट्रैफिक में उतरकर गाड़ियों को एक-एक करके निकलना में जुट गए पुलिस टीम ने बसों और अन्य बड़े वाहनों को प्राथमिकता से बाहर निकाल वही ई रिक्शा और अन्य छोटे वाहनों को किनारे लगवा कर रास्ता साफ कराया करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद धीरे-धीरे जाम खुलने लगा यात्रियों ने रात की सांस ली और पुलिस की तत्परता की सराहना की थाना प्रभारी सतीश कुमार ने मौके पर मौजूद लोगों से अपील की त्योहार के समय दरिया बनाए रखें अनावश्यक रूप से सड़क परिवहन खड़े ना करें और यातायात नियमों का पालन करें ताकि किसी को परेशानी का सामना न करना पड़े स्थानीय पुलिस और यात्रियों ने कहा कि त्योहार के समय बस स्टैंड पर जाम की समस्या हर साल देखने को मिलती है लेकिन इस बार पुलिस की सक्रिय से हालत जल्दी काबू में आ गई लोगों ने थाना प्रभारी की तेज कार्यवाही और जमीनी स्तर पर काम करने के तरीके की खुलकर तारीफ की

कैराना खुरगान मार्ग हत्याकांड पत्नी ही निकली पति की हत्यारी पुलिस ने क्या बड़ा खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ कैराना शामली उत्तर प्रदेश जिले में सनसनी फैलाने वाली करण खुरगान मार्ग हत्या का राज रह गए घटना कोई नहीं पत्नी ही अगस्त 2025 शहनवाज पुत्र झारगढी थाना सोनीपत पत्नी के साथ

पर हुई युवक की खुलते ही सभी दंग का मास्टरमाइंड और बल्कि मृतक की निकली दीनक 7 की रात करीब 9ः40 जमील निवासी ग्राम गणनौर जनपद हरियाणा अपनी मोटर साइकिल प्लेटिना रजिस्टएरेड नंबर HR 42F0341 से अपनी पत्नी की रिश्तेदरी में शादी समारोह में शामिल होने ग्राम ईस्सोपुर खुरगान थाना कैराना आ रहे थे गांव से कुछ दूरी पहले करना खुरकान मार्ग पर दो अज्ञात मोटरसाइकिल पर सवार तीन चार अज्ञात व्यक्तियों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया हमलावरों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किये जिसे शाहनवाज गंभीर रूप से घायल हो गया उन्हें तुरंत सी एच सी ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए सघन जांच शुरू की मात्र 24 घंटे के भीतर ही थाना कैराना पुलिस ने इस हत्याकांड की गुथी सुलझा दी पुलिस ने मृतक की पत्नी श्रीमती मेहफरीन को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तारी के समय पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन भी बरामद किए प्रारामभिक जांच में पता चला की महफरीन ने ही अन्य आरोपियों के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की शादी से रची थी गिरफ्तारी के बाद थाना कैराना पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है वही बाकी बचे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम में गठित कर दी गई है अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी फरार अभियुक्तो को पकड़ लिया जाएगा इस मामले में एक बार फिर साबित कर दिया कि पुलिस की तेज कार्यवाही और तफ्तीश से अपराधियों को बच निकलने का कोई मौका नहीं मिलता स्थानीय लोग भी इस गिरफ्तारी की प्रशंसा कर रहे हैं

अपना दल एस महिला मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपमाला कुशवाहा ने बाढ़ ग्रस्त इलाके का दौरा किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) अपना दल एस महिला मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपमाला कुशवाहा अपने पार्टी के नेता ओ के साथ कोंच में बाढ़ ग्रस्त इलाके का ट्रेक्टर पर सवार होकर दौरा किया और पीड़ित लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया है कि इस प्राकृतिक आपदा में हम लोग ओर हमारी पार्टी के इस दुख में शामिल हैं और सरकार से ज्यादा से ज्यादा मदद का भरोसा दिलाया इस अवसर पर अपना दल एस के जिलाध्यक्ष अनिल अटरिया राष्ट्रीय सचिव धर्म पाल पटेल अपना दल एस युवा मंच के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी प्रदेश महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर रोहित राठौर प्रदेश कार्य कारिणी सदस्य राहुल भदोरिया विधान सभा अध्यक्ष लाल सिंह बगिया जिला मीडिया प्रभारी सागर मेहरा क्लू कुशवाहा दीपू गौतम रिंकू पीए विक्रम पी ए सुरेन्द्र पटेल गौरव पाली वाल अनबर उमा बल्लभ शांडिल्य गट्टू भैया रजनी कुशवाहा प्रदीप कुशवाहा राहुल कुशवाहा और इलाके के सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा सहित तमाम लोग मौजूद रहे

अपनी नानी के घर जा रहे बच्चे की पानी से भरे गड्ढे में गिरने से मौत

रक्षाबंधन पर दर्दनाक हादसा खुशी मातम में बदली

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) भाई बहन के प्रेम स्नेह का पर्व रक्षा बंधन पर कोंच में एक दर्दनाक हादसा हो गया है जिसमें अपनी नानी के घर जा रहे अपनी मम्मी बहिन के साथ जा रहे भाई की एक पानी से भरे गड्ढे में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई इस भाई बहिन के त्योहार पर खुशी मातम में बदल गई इस घटना से आस पास के लोग दुखी दिखे है मिली जानकारी में बताया गया है कि श्री मति नीलम पत्नी स्वरूप राठौर निवासी मोहल्ला गांधी नगर नकटी माता मंदिर के पास कोंच में अपने मकान में सपरिवर रहती है और वह आज रक्षाबंधन मनाने को लेकर अपनी मां राम कुमारी पत्नी कैलाश निवासी गोखले नगर संभू साब मंदिर के पास अपने साथ अपनी लड़की और छोटे बेटे अंश के लेकर आ रही तभी वह घर पर गई और उनका बेटा अंश पीछे चल रहा था जब सब लोग आ गए तो अंश नहीं दिखा तो मां को चिंता हुई तो आस पास देखा तो पता चला कि रास्ते में बने गड्ढे में मलंगा नाला का पानी आ जाने से वह गिर गया और तलाश के बाद लोगों ने उसे निकाला जब तक कि उसकी मौत हो चुकी थी इस दुखद और दर्दनाक हादसा की खबर सुनकर अड़ोस पड़ोस के लोग बड़ी संख्या में मौके पर आ गए और घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर सीओ परमेश्वर प्रसाद कोतवाल वीके पांडेय सुरई चौकी प्रभारी संजीव दीक्षित सिपाही आलोक दुबे सिपाही राहुल सिंह सिपाही उपेंद्र सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना के बाबत लोगों से जानकारी ली और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम लिये भेज दिया है इस दुखद हादसा होने पर यह भाई बहिन के त्योहार खुशी की जगह मातम में बदल गया और मृतक बच्चे के घर पर भारी दुख में डूब गये है बताया गया है कि इस क्षेत्र में नहर और मलंगा नाला का ओवर फ्लो पानी आने से वहां पर जगह जगह पर जलभराव हो गया है और इस जल भराव से लोगो को आने जाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है

धूमधाम से मनाया भाई बहन ने स्नेहा का रक्षाबंधन

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ भाई बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन परंपरागत तरीके से मनाया गया बहनों ने भाइयों के माथे का तिलक और मिठाई खिलाकर अपने भाइयों की उम्र दराज की कामना की भाइयों ने बहनों के पैर छूकर बहनों की रक्षा हेतु वचन दिया रक्षाबंधन का समय मुहूर्त शुरू होते ही बहन सुबह जल्दी तैयारीयों में जुट गई मिठाई कपड़े और उपहार की खरीदारी के लिए रेलवे रोड सराफा बाजार रामधाट रोड पनैठी अकराबाद सेंटर पॉइंट सहित अन्य बाजारों में देर रात तक चहल-पहल रही वैसे तो लोग 1 दिन पहले ही घर चले गए थे और जो रह गए थे वह सुबह बहनों से तिलक करने के लिए बहनों के घर पहुंचे ट्रेनों में सीट के लिए मारामारी बसों में भी भीड़ उमड़ी भीड़ देखने को मिली भाइयों को टीका करती है बहने भैया रक्षाबंधन पर मिठाई के साथ बहने अपने भाइयों को टीका कर भेंट करती है जो बहने कारणवश भाइयों के पास नहीं पहुंच पाती वे टीका कर अपने पास रख लेते हैं और बाद में भाइयों को भेंट करती है इसके चलते और की दुकानों पर घेवर खरीदने वालों की भीड़ रही 7 दूरदराज जाने वाली बहनों में पहले की मिठाई में खरीदारी कर ली भाइयों ने भी बहनों को उपहार स्वरूप दी जाने वाले परिधानों की खरीदारी की

संक्षिप्त समाचार

सेना भर्ती के छठवें दिन 791 में से 427 युवाओं ने पास की दौड़

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ शिवपुरी, अग्निवीर सेना भर्ती रैली के छठवें दिन मध्यप्रदेश के निवाड़ी एवं मुरैना जिलों के युवाओं ने अदम्य साहस और कौशल का प्रदर्शन किया। इस दिन कुल 791 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें से 427 युवा दौड़ में सफल रहे। भर्ती स्थल पर युवाओं में उत्साह और जोश देखते ही बन रहा है। अब तक इस भर्ती में प्रदेश के 4053 युवा भाग ले चुके हैं, जो भारतीय सेना में शामिल होने के अपने सपने को साकार करने के लिए पूरा दमखम दिखा रहे हैं। जिला प्रशासन शिवपुरी और सेना भर्ती कार्यालय ग्वालियर के संयुक्त सहयोग से यह भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह सुव्यवस्थित और पारदर्शी रूप से संचालित की जा रही है। युवाओं में सेना भर्ती को लेकर गहरी रुचि और समर्पण झलक रहा है। भर्ती पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता आधारित है, इसलिए किसी भी अभ्यर्थी को अनधिकृत व्यक्तियों के बहकावे में न आने की अपील की गई है। भारतीय सेना में सेवा का अवसर पाने के लिए युवाओं का यह जोश प्रदेश में देशभक्ति और अनुशासन की नई मिसाल पेश कर रहा है।

रंजिश को लेकर मारा पीटा गया चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा (प्रयागराज) पुरानी रंजिश को लेकर मां और बेटी को मारा पीटा गया। पुलिस ने चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम उमरिया बाल उर्फ गेंदा निवासनीय शीला देवी पत्नी बन्ने लाल का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी उसे और उसकी पुत्री खुशबू को मारे पीटे तथा जान से मारने की धमकी भी दिए।शीला देवी ने मऊआइमा थाने में कमल,राजू,मंजू,पिन्टू के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

शनिवार रक्षाबंधन पर किरांव बाजार में देंखी गयी रौनक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रयागराज मऊआइमा में शनिवार के दिन रक्षाबंधन के पर्व पर बाजार में दुकान सज कर गुलजार रही। महिलाओं द्वारा डिजाइनर राखियों की जमकर खरीदारी हुई। राखी के साथ मिठाइयों की दुकानो पर काफी भीड़ देखी गयी। मऊआइमा के किरांव व सरांय सुल्तान उर्फ पूरे मखदूम व चकशयाम व सिसई सिपाह आदि बाजारों में भी सुबह से राखी खरीदने की भीड़ लगी रही । परम्परा के अनुसार रक्षाबंधन पर कुछ बहने अपने भाइयों के यहां एक दिन पहले ही पहुंच जाती हैं जिससे रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त इधर-उधर ना हो जाये शास्त्रों के अनुसार शनिवार के दिन दोपहर तक शुभ मुहूर्त माना जाता था। जबकि कई जगहों पर घर के सदस्यों द्वारा राखी ले जाने की परंपरा है। दुकानो पर दिन भर मिठाइयां व राखी व मिठाई बेचने वालो के यहां बाजारों में होड़ लगी रही वैसे देखा गया कि डिज़ाइनर राखियां खरीददारों की पहली पसंद महिलाओ की बनी रहीद्य

किसान को सांड ने मारा घायल हुआ किसान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) तहसील क्षेत्र के ग्राम कूड़ा निवासी भान सिंह पुत्र मोहर सिंह आज अपने गांव से कही जा रहे थे कि तभी पीछे से गांव में फिर रहे एक आवारा सांड ने उनको ठोकर मार दी जिससे वह वही पर गिर गये और इस घटना की खबर पर उनके परिजन मौक़े पर आए और उन्हें गांव से लाकर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुये उरई के लिये रिफर कर दिया है बताया गया है कि भान सिंह के कान से खून निकल रहा है और वह बेहोशी की हालत में है इस घटना को लेकर उनके परि जन उन्हें एंबुलेंस में लेकर उरई निकल गये घायल व्यक्ति काफी गरीब किसान है और उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है

The fragrance of oranges is present in every air of Nagpur, know why it became Orange City and what is its story

Nagpur, which is known as Orange City, is the winter capital of Maharashtra. This city was established by Gond King Bhakt Buland in the 18th century. Nagpur is named after the Nag River. The history of Nagpur is 3000 years old and it has played an important role in the development of the country. Nagpur is called the winter capital. Oranges are cultivated here in large quantities. Nagpur is known as Orange City. India is called a country of diversity. There are many places to visit here. Maharashtra is also one of them. There are many places in this state where you can go for a walk. Mumbai, Pune, Lonavala are named first. There is another city named Nagpur. We know it as Orange City. But have you ever wondered why Nagpur is called the Orange City? What is so special about the oranges here that it is so famous all over the world? Although thousands and millions of people come here to visit, but very few people would know about its history. Our article today is also on this topic. We will tell you why Nagpur is known as the Orange City, along with this we will also tell you its interesting history. Let us know in detail - The city was settled in the 18th century Let us tell you that people call Nagpur the Orange City i.e. the city of oranges. It is also the winter capital of Maharashtra. Every year the winter assembly of the state is held here. This city was settled by Gond King Bhakt Buland in the 18th century. It comes right in the middle of India. Most of the vegetables and animal fodder are cultivated here. Now you must be wondering how Nagpur got its name? The city was named after the Nag River Nagpur is named after the Nag River flowing here. This river looks like a snake moving around, so it is called Nag River. Nag means snake in Marathi language. There are many tiger reserves around here, so it is also called the Tiger Capital of India. Why is it called the Orange City? Nagpur is called the Orange City because a lot of good oranges are grown here. The soil, sunlight and weather here are perfect for orange cultivation. In the 18th century, the Bhosale kings saw that the land of Nagpur is good for growing oranges. They helped the farmers with land, water and farming. Due to this, orange orchards started growing here. Today, oranges are cultivated in large numbers in areas like Kalmeshwar, Katol, Narkhed and Saoner of Nagpur. Oranges have more juice, among these, Nagpuri orange of Nagpur is very famous. Its taste is sour-sweet and its fragrance is also very special. Amravati and Nagpur districts together account for about 80% of orange cultivation in Maharashtra. The oranges here have more juice and they are also more pulpy. The demand for oranges here is not only in India but all over the world. Identity is seen in every street By the end of the 19th century, Nagpur had become famous for oranges in the whole country. The oranges here are sweet and juicy, and their peel is also very thin. Which can be peeled easily. Even today, the identity of oranges can be seen in every street. What is the history of Nagpur? The history of Nagpur is very old and special. It is believed that people have been living here since about 3000 years ago. Its proof is also found in the old graves found at a place named Drugdhamna. Apart from this, an inscription engraved on a stone in the 10th century has also been found in which the name of Nagpura-Nandivardhan is written. This proves that Nagpur is a very old city. Let us tell you that Nagpur was first settled by the Gond kings. It played an important role in the development of the country, later it came into the share of the Bhosale kings of the Marathas. After the Battle of Sitabuldi in 1817, the British captured Nagpur and the Bhonsle rule ended. Then the British made Nagpur the capital of Central Province and Berar. When India gained independence, Nagpur played a special role in the development of the country. Earlier it was in Madhya Pradesh, then became a part of Bombay state and finally joined Maharashtra. Places to visit in Nagpur Dragon Palace Buddhist Temple Akshardham Temple Deekshabhoomi Zero Mile Marker Ramtek Fort Temple Sitabuldi Fort Pench National Park Navegaon National Park Ambazari Lake Amba Khori, Walky Woods

Why is vitamin-B12 and D deficiency common among Indians, doctor tells shocking reasons

Vitamin D and B12 deficiency is a common problem in India, the main reason for which is changing lifestyle and wrong eating habits. Vitamin D deficiency can cause fatigue and bone problems, while B12 deficiency can cause anemia and nervous system problems. The doctor explained the reasons for this in detail. Vitamin-B12 and D are essential for our development. However, its deficiency is considered common among Indians. The doctor has given shocking reasons for this. There are many nutrients found in our body, which are either produced in the body itself or are delivered to the body through foods and supplements. Vitamin-B12 and Vitamin-D are one of these, which play an important role in many important functions of our body. However, the matter of concern is that we Indians are most deficient in these essential vitamins. Many such studies have come to light, which have revealed that a large part of the Indian population is affected by these deficiencies. In such a situation, the question arises that what is the reason for their deficiency in Indians and how can these deficiencies be overcome? Let us know about this in detail from Dr. Vineet Banga, Director of Neurology at Fortis Hospital, Faridabad - What are the symptoms of deficiency of these vitamins? Symptoms like weakness, lethargy, fatigue are seen when there is a deficiency of vitamin D in the body. Also, due to this, bone problems like osteoporosis can occur, which can cause fractures and its deficiency can also cause rickets in children. On the other hand, if we talk about vitamin-B12, then its deficiency in the body also causes many types of problems and its symptoms are also clearly visible. They just need to be identified in time. Its deficiency can cause megaloblastic anemia and many problems related to the nervous system, which include imbalance, tingling or numbness in hands and feet and memory problems. Why is this deficiency so common among Indians?- According to the National Library of Medicine, vitamin D deficiency is quite common in India and a large number of people are affected by it. The biggest reason for this is the changing lifestyle these days. These days people spend most of their time in office-home or traveling, due to which they do not get enough sunlight. Also, nowadays the diet has also become quite different, due to which due to lack of essential vitamins in food, their deficiency starts. Increasing vitamin B12 deficiency- Vitamin B12 deficiency is considered quite common in the Indian population. According to the National Library of Medicine, vitamin B12 deficiency is common in the North Indian population, which is 47%. Also, the level of vitamin B12 is higher in diabetes patients than in normal people. However, the prevalence of its deficiency is still very high. How to overcome these vitamin deficiencies?- To overcome these vitamin deficiencies in the body, pay attention to the right changes in diet, supplements and pre-existing medical conditions. You can also take the help of a health expert for correct diagnosis and treatment.

You need something to cover yourself even in summer! Why some people cannot sleep without covering themselves, know its psychology

People adopt different methods to sleep peacefully at night after a tiring day. Some people cannot sleep without covering themselves even in summer because this habit is related to their childhood. There are many other reasons behind this habit. Let us know in detail the science behind this. People adopt many methods to sleep peacefully. However, there are some people who always fall asleep even after covering themselves. There can be many reasons behind this, which are important to know. After the hustle and bustle of the day and fatigue, night time is for relaxation and peaceful sleep. People do different things to sleep peacefully at night. For some, a comfortable mattress or pillow is necessary to sleep peacefully, while some get good sleep only in a comfortable position. However, there are some people who cannot sleep without covering themselves. Be it summer or winter, these people do not care about the weather. If it makes a difference, then it is whether they have covered themselves with something while sleeping or not. In such a situation, the question arises the reason that people are not able to sleep without covering themselves even in extreme heat. If you are also among these people and this question often arises in your mind, then today in this article we are going to answer this question. Let us know in detail. Childhood habit cannot be left - This habit of sleeping covered while sleeping is related to our childhood. Actually, covering oneself with a blanket or sheet is an important part of the circadian rhythm. This helps us to decide when our body is ready to sleep and when to wake up. This is such a habit that develops from birth and hence it remains the same even when we grow up. Blanket gives a feeling of security - There is also a psychosocial reason hidden behind this habit of sleeping covered. Actually, the warmth and comfort of the blanket makes us feel safe at night. It is common to feel afraid of darkness while sleeping and therefore some people use blankets to avoid this fear. Even when we grow up, this fear remains the same and our mind feels safe under the blanket. Protection from cold- When we sleep, our body temperature drops, which keeps falling throughout the night. It reaches its lowest level around 4 am. This process starts an hour before going to bed and when we reach the Rapid Eye Movement (REM) sleep cycle, our body loses the ability to control its temperature. In such a situation, a blanket or sheet helps keep us warm throughout the night and protects us from cold. There is also a connection between blanket and insomnia- A study published in the Journal of Sleep Medicine and Disorders in 2015 showed that sleeping under a heavy blanket helps in getting good sleep at night. Another study published in the American Journal of Occupational Therapy in 2020 showed that the Halley blanket may also be helpful for people suffering from anxiety and insomnia.

Sridevi-Mithun's breakup happened after this film, the actress was adamant on getting the kissing scene removed

Sridevi and Mithun's affair was much talked about After this film, both of them broke up Sridevi had demanded to remove the kissing scene Discussions about Sridevi and Mithun Chakraborty's affair were in full swing in the 80s. However, a film came in which the kissing scene of both of them became very viral and after that they broke up. After this, Sridevi reportedly tried a lot to get this scene removed from the film. Indian cinema's first lady superstar Sridevi has given many great films in her career which are memorable. But not only the films of the actress, her personal life has also been gathering limelight. One of those stories is hers with Mithun Chakraborty when both were dating. However, their kissing scene in a film made a lot of headlines, the interesting thing is that both of them broke up after this film and Sridevi asked the director to remove that kissing scene. Which film was that? The name of that film is Guru which was released in 1989, this film was inspired by the South movie Kaaki Sattai Ka. Both were in a relationship during its shooting and the director of this film was Umesh Mehra. This film proved to be the biggest opener of that year and it was very successful at the box office. Sridevi demanded to remove the kissing scene There was a hot kissing scene in the Tamil film Kaaki Sattai, so Sridevi also shot this scene with Mithun without any hesitation. But what happened was that by the time the film was over, both of them broke up. After this, Sridevi demanded the director to remove that kissing scene. Allegedly, she also sent a legal notice to Umesh. Sridevi gave the excuse of body double After this kissing scene in the film gained a lot of attention, Sridevi claimed that this scene was shot with a body double. Along with the film, its songs also became very hit. Sridevi-Mithun seen together in these films- Mithun and Sridevi have worked together in films like Guru, Jaag Utha Insaan, Waqt Ki Awaaz and Watan Ke Rakhwale. Mithun Chakraborty and Sridevi reportedly had a secret marriage in the 1980s but it broke down when Mithun decided not to leave his wife Yogita Bali for Sridevi. Sridevi was heartbroken and decided to break the marriage. Despite the rumors, Mithun married Yogita and later Sridevi married Boney Kapoor.

Reena Roy's sister's luck flopped in cinema, had to say goodbye to Bollywood after just 4 films

Reena Roy Sister It is often seen in Bollywood that one sister is a superstar while the other's career did not go well. One of these names is also of the famous actress of the 80s, Reena Roy. Reena Roy got a chance to work with big actors but her sister had to say goodbye to Bollywood after four films. Who is actress Reena Roy's sister, she disappeared after just 4 films - tried her luck with these films It is very rare in Bollywood that two real sisters become successful. One's career runs at the speed of a bullet train, while the other has to remain just a name under its shadow. Whether you look at Shamita-Shilpa or Kriti Sanon and Nupur Sanon. Such pairs of sisters tried their luck in films in the 70s and 80s. Not only Reena Roy, her sister also came to try her luck in films. However, she did not get the success in the industry that the 'Madhosh' actress got. Who is Reena Roy's sister and where is she missing now, let's know every detail: Reena Roy's sister started with Sanam Teri Kasam - While veteran actress Reena Roy entered the acting world in 1972 with Vijay Arora starrer film 'Zaroorat', her sister Barkha Roy started with the film 'Sanam Teri Kasam' released in 1982. The only difference in the career of both the sisters was that one used to take money by acting and the other used to invest money in films. Reena's sister Barkha Roy started her journey in Bollywood by becoming a producer. The story of her first film 'Sanam Teri Kasam' was written by Kader Khan. Kamal Haasan, sister Reena Roy and Jagdeep worked in the movie. The music of the film was given by RD Burman, for which he also received his first Filmfare Award. Released on 14 May 1982, this film was a superhit at the box office. In her entire career, Barkha Roy produced only 4 films- After the success of Sanam Teri Kasam, she made the film 'Karishma' in 1984 in which the pair of Kamal Haasan and Reena Roy was seen again. Anil Ambani's wife Tina Munim also joined her in this film. The film did well at the box office. Apart from this, she produced the show 'Ina-Meena-Deeka' in 2000 and her fourth project Green Commando of India came in the year 2020. Reena Roy's sister also received two awards at the San Francisco Global Fest for her film 'My Friend Hussain' and also $ 10,000, which she donated to an NGO. However, out of these, only her first film as a producer was a hit. Married to a famous Bollywood villain - Barkha Roy married Bollywood's famous villain actor Mahesh Anand, but they got divorced. After which she married Saroj Khan's son Raju Khan for the second time. Like her sister Reena Roy, Barkha Roy also keeps away from the limelight. She has currently kept a distance from films as well.

Manoj Bajpayee's Inspector Zende on the capture of a serial killer, when will it be released on OTT

Manoj Bajpayee's name is counted among the veteran actors of Hindi cinema. His films dominate from OTT to theaters. Meanwhile, Manoj's next film Inspector Zende has been announced. Let us know when and where this movie will be released on OTT. Movie Inspector Zende announced Manoj Bajpayee's next film will stream on this OTT platform If we talk about the strong actors of Hindi cinema, then Manoj Bajpayee's name is at the top. Manoj, who has shown his acting skills from theaters to OTT, has announced his next film Inspector Zende. In this film, he is playing the role of a policeman who caught a vicious killer in the 90s. Let us know when and where Manoj Bajpayee starrer Inspector Zende will be released on OTT. Inspector Zende announced Apart from the big screen, Manoj Bajpayee's stature as an actor on OTT has risen a lot in the last few years. In which the web series The Family Man has made a significant contribution. Now Manoj is going to make a comeback through another OTT thriller, named Inspector Zende. Its announcement has been made by OTT platform Netflix India on its official X handle on Thursday. This upcoming movie of Manoj will be streamed online on Netflix India on 5 September 2025. Apart from him, actors like Jim Sarbh will also be seen in important roles in this movie. If we look at the story of Inspector Zende, then this film is said to be based on the arrest of serial killer Charles Sobhraj. Charles was also called the swimsuit and bikini killer. Inspector Zende was the same person who played an important role in catching this killer. The first look poster of this film has also been released by Netflix India. Which is in the form of a newspaper cutting. In this poster, you will see Manoj Bajpayee and Jim Sarbh together. Om Raut's comeback- Filmmaker Manoj Bajpayee, who made the Prabhas starrer mythological film Adipurush, is going to make a comeback in the cinema world through the film Inspector Zende. Actually, Om has taken charge as the producer of this OTT film. While the direction is being done by Chinmay D Mandlekar.